सांध्य दैनिक

# श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

वर्ष- 14 अंक - 310 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 22 अगस्त 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-


## खास - खबर

### पश्चिम बंगाल के झारग्राम में सड़क हादसा, भिलाई के दो लोगों की मौत

**भिलाई।** पश्चिम बंगाल के झारग्राम में सोमवार की शाम को राष्ट्रीय राजमार्ग 6 पर एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में भिलाई निवासी दो लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में दलीप परिसर कैलाश नगर निवासी महिला नमिता गुहा व बजरंग पारा भिलाई-3 निवासी विनय यादव शामिल हैं। पीछे से तेज रफ्तार ट्रेलर के ठोकने पर इनकी कार सामने चल रही ट्रक से जा भिड़ी। हादसे के बाद आक्रोशित भीड़ ने घटनास्थल के पास बनी पुलिस चेक पोस्ट को आग लगा दिया।

सोमवार की देर शाम हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी से लगे कैलाश नगर और भिलाई-3 के बजरंग पारा में एक हादसे की खबर के बाद शोक की लहर छा गई। हादसे की यह खबर पश्चिम बंगाल से यहां पहुंची थी। खबर के अनुसार कैलाश नगर के दलीप परिसर में रहने वाले राहुल गुहा की पत्नी नमिता गुहा अब इस दुनिया में नहीं रही। मुंबई - हावड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर खड़गपुर से 30 किमी दूर झारग्राम नामक जगह में बने चेक पोस्ट के पास सोमवार को शाम 5 बजे के आसपास एक बड़े सड़क हादसे में नमिता गुहा की मौत हो गई। इसी हादसे में बजरंग पारा भिलाई-3 निवासी विनय यादव ने भी दम तोड़ दिया है। जबकि नमिता के पति राहुल गुहा और उसकी बेटी देवस्मिता गुहा को घायलावस्था में वहां अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि कैलाश नगर निवासी राहुल गुहा अपनी पत्नी नमिता गुहा और बेटी देवस्मिता गुहा के साथ अपनी कार सीजी 07 सीएच 1199 में बाबा धाम रवाना हुआ था। बाबा धाम के बाद उनका रिश्तेदारी में कोलकाता जाकर वहां से भिलाई वापस आने का कार्यक्रम तय था। राहुल गुहा ने कार चलाने में मदद के लिए अपने परिचित बजरंग पारा भिलाई-3 निवासी विनय यादव को भी चलने को तैयार किया। विनय यादव के पास खुद की कार है और उसे वह बुकिंग में चलाकर परिवार का भरन पोषण करता था। राहुल के कहने पर विनय उसके साथ गया था।

# कांग्रेस का टिकट वितरण भी हो सकता है चौंकाने वाला, युवा, नए व अनुभवी चेहरों का होगा समावेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भाजपा ने विधानसभा चुनाव से 3 महीने पहले ही 21 प्रत्याशियों का ऐलान कर राजनीतिक पंडितों को चौंकाया था, लेकिन कांग्रेस की ओर से जो खबर आ रही है, वह और भी ज्यादा चौंकाने वाली है। खबर यह है कि कांग्रेस पार्टी इस बार ज्यादातर नए व युवा चेहरों को तवज्जो दे सकती है। जबकि वरिष्ठ व अनुभवी नेताओं का भी सामंजस्य होगा। पार्टी में इसके संकेत कुछ समय पहले ही मिलने लगे थे, जब सत्ता और संगठन में कुछ परिवर्तन किए गए थे। बताते हैं कि कांग्रेस के कई वरिष्ठ विधायक इस बार चुनाव नहीं लड़ना चाह रहे हैं। इसके ऐवज में उन्होंने अपने पुत्र या रिश्तेदारों के लिए टिकट की मांग की है। वहीं कई विधायकों की रिपोर्ट भी खराब आई है। फिलहाल जो ताजा व महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ रही है, वह कांग्रेस की टिकट वितरण की परंपरा से सर्वथा अलग है। 90 सीटों वाले छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के पास वर्तमान में 70 से ज्यादा विधायक हैं। खबर यह है कि इनमें से कई विधायकों की टिकट काटी जा सकती है।

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के भांजे विक्रांत सिंह को भाजपा ने खैरागढ़ से टिकट दी तो कांग्रेस के नेता इसे परिवारवाद से जोड़ने लगे, लेकिन जो खबर कांग्रेस के अंदरखाने से आ रही है, वह भी परिवारवाद को बढ़ाने वाली है। भाजपा से ऐसे संकेत मिले हैं कि शायद डॉ. रमन सिंह को पार्टी ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया है। हालांकि ऐसी भी जानकारियां मिल रही है कि डॉ. रमन को इस बार भाजपा कवर्धा से कद्दावर नेता मोहम्मद अकबर के खिलाफ उतार सकती है। राजनांदगांव से डॉ. रमन के पुत्र अभिषेक सिंह की दावेदारी की भी चर्चा है। हालांकि सीएम भूपेश बघेल ने यह आशंका जताई है कि भांजे को टिकट मिलने के बाद अब डॉ. रमन व उनके पुत्र अभिषेक को शायद टिकट नहीं मिलेगी। भाजपा ने दावेदारी और आवेदन की प्रक्रिया के बिना ही अचानक ही 21 प्रत्याशियों का ऐलान कर सत्तारूढ़ दल के साथ ही अपनी ही पार्टी के नेताओं को भी चौंका दिया था। इसके विपरीत कांग्रेस में फिलहाल लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत मंडल स्तर पर आवेदन लिए जा रहे हैं। ये आवेदन जिला और फिर प्रदेश समिति के पास जाएंगे, जिन्हें आगे केन्द्रीय समिति को भेजा जाना है।

## कांग्रेस में भी परिवारवाद की गाड़ी दौड़ाने की तैयारी

### दूसरे दलों से आने वालों को नहीं माना निष्ठावान

अब यह लगभग स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस पार्टी में ऐसे लोगों को टिकट नहीं मिलेगी, जो दूसरे दलों से आए हैं। अब तक इसे लेकर संशय की स्थिति थी। बताया गया है कि कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर कमेटी की हुई बैठक में यह फैसला किया गया है। पीसीसी चीफ दीपक बैज के मुताबिक, उनकी इस मुद्दे पर बड़े नेताओं से चर्चा हुई है और यह तय किया गया है कि पार्टी के समर्पित नेताओं व कार्यकर्ताओं को ही टिकट दिया जाएगा। इसका स्पष्ट आशय यह है कि कांग्रेस ने यह मान लिया है कि जो लोग दूसरे दलों से आए हैं, वे विश्वसनीय या निष्ठावान नहीं है। फिलहाल टिकट दावेदारों से ब्लाक स्तर पर आवेदन लिए जा रहे हैं। दावेदार को एक फार्म भरना होगा और साथ ही हाईकमान के प्रति निष्ठा और पार्टी के प्रति समर्पण की शपथ भी लेनी होगी। पार्टी के जानकारों के मुताबिक, सितम्बर के पहले सप्ताह में कांग्रेस की पहली सूची जारी कर दी जाएगी। इस सूची में उन सीटों के नाम होंगे, जहां पार्टी के जीतने की संभावना ज्यादा है।

### दिग्गजों के पुत्रों की दावेदारी

अविभाजित मध्यप्रदेश के समय प्रभावशाली नेता रहे व कई अहम् विभागों का मंत्रीपद संभालने वाले सत्यनारायण शर्मा कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में एक हैं। इस बार उन्होंने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। उनके पुत्र पंकज शर्मा, जो वर्तमान में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अध्यक्ष हैं, ने रायपुर ग्रामीण से दावेदारी कर दी है। वहीं वर्तमान में छत्तीसगढ़ सरकार में कद्दावर मंत्री रविन्द्र चौबे के पुत्र अविनाश चौबे भी दावेदारों की सूची में है। रविन्द्र चौबे करीब 40 वर्षों से सक्रिय राजनीति में हैं। पिछले कुछ समय से वे अस्वस्थ चल रहे हैं। एक और महत्वपूर्ण नाम विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत का भी सामने आया है। महंत की पत्नी ज्योत्सना महंत भी सांसद हैं। उनके पुत्र सूरज महंत के सक्ती क्षेत्र से दावेदारी करने की चर्चा है। एक अन्य वरिष्ठ नेता खेलसाय सिंह भी अपने रिश्तेदार के लिए जोर लगा रहे हैं। खेलसाय सिंह सूरजपुर जिले के प्रेमनगर क्षेत्र से विधायक हैं। वे तीन बार सांसद भी रह चुके हैं। सबसे महत्वपूर्ण खबर तो शुक्ल परिवार से आ रही है। वरिष्ठ विधायक अमितेश शुक्ल के पुत्र भवानी शंकर शुक्ल गरियाबंद के राजिम क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरने को बेताब हैं। दावेदारों की बात करें तो छत्तीसगढ़ की कई और सीटों पर भी कांग्रेस के दिग्गजों के रिश्तेदार टिकट के लिए ताल ठोंक रहे हैं।

### आवेदन का आज अंतिम दिन

कांग्रेस में ब्लाक स्तर पर आवेदन करने का आज आखिरी दिन है। ब्लाक अध्यक्ष अपने पास आए आवेदनों को 24 अगस्त तक जिला संगठन को भेजेंगे। इसके बाद जिला संगठन नामों में 5 नामों का पैनल बनाकर प्रदेश समिति को अग्रेषित कर देंगे। प्रदेश समिति अपने पास आए नामों को आगे केन्द्रीय समिति को भेजेगी। दिल्ली में केन्द्रीय प्रत्याशियों के नामों का ऐलान करेगी। इस बार प्रत्येक क्षेत्र से बड़ी संख्या में कांग्रेसियों ने टिकट के लिए दावेदारी की है। इधर, कई दावेदारों को इस बात की भी चिंता है कि ब्लाक स्तर से जिला स्तर तक जाने के बाद यदि उनके नामों को काट दिया गया तो उसके लिए आगे की प्रक्रिया क्या होगी? बताते हैं कि ज्यादातर क्षेत्रों में शहर या जिला संगठन विधायकों या बड़े नेताओं के समर्थकों के ही पास है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस उम्मीदवारों की पहली सूची सितम्बर महीने के पहले सप्ताह में जारी हो सकती है। भाजपा ने जहां सीधे दिल्ली से प्रत्याशियों के नामों का ऐलान किया है, वहीं कांग्रेस में लोकतांत्रिक तरीके से नामों को दिल्ली तक पहुंचाने की पहल की है।

### नागपंचमी पर सीएम भूपेश बघेल की बड़ी घोषणा

# राजधानी में खुलेगी राज्य स्तरीय कुश्ती अकादमी, निखरेगी पहलवानों की प्रतिभा

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ राज्य में अखाड़ों के संरक्षण और संवर्धन के साथ ही पहलवानों की प्रतिभाओं को निखारने के लिए बजरंगबली अखाड़ा प्रोत्साहन योजना आरंभ की जाएगी। इसके साथ ही राजधानी रायपुर में राज्य स्तरीय कुश्ती अकादमी खुलेगी जिसके माध्यम से इस क्षेत्र की प्रतिभाओं को तैयार किया जाएगा। राज्य में कुश्ती को प्रोत्साहन देने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दो बड़ी घोषणाएं की।

इसके पूर्व सीएम बघेल राज्य में मल्लखांब जैसे पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए भी अकादमी की घोषणा कर चुके हैं। बजरंगबली अखाड़ा प्रोत्साहन योजना के पीछे मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का उद्देश्य छत्तीसगढ़ में कुश्ती जैसे पारंपरिक खेलों का सुंदर वातावरण पुन: तैयार करना है। साथ ही हमारे प्रदेश की कुश्ती की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मंच पर लाना है।

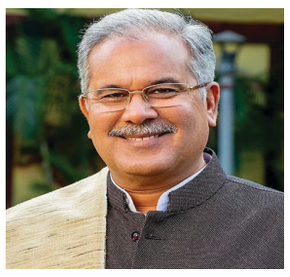

### बजरंगबली प्रोत्साहन योजना से अखाड़ों का संवर्धन

बजरंगबली प्रोत्साहन योजना के माध्यम से अखाड़ों का संरक्षण और संवर्धन भी हो सकेगा। जिन अखाड़ों में पहले पहलवानों की कुश्तियां दिखा करती थी जहां पहलवान अपने दांव पेंच दिखाया करते थे लेकिन अब वहां सूना पसरा रहता है। इस योजना के माध्यम से इन अखाड़ों को पुनर्जीवन मिल सकेगा और एक बार पुन: यहां पहलवानों के दांव पेच देखने मिलेंगे और प्रदेश के तथा देश के प्रतिभाशाली पहलवान यहां से भी तैयार हो सकेंगे।

इसके साथ ही राजधानी रायपुर में राज्य स्तरीय कुश्ती अकादमी भी शुरू की जाएगी। इस आकदमी के माध्यम से कुश्ती की प्रतिभाओं को निखारने का प्रयास करेगी। भारत में तथा छत्तीसगढ़ में भी कुश्ती की बड़ी समृद्ध 1परंपरा रही है। धोबी पछाड़, धाक, झोली जैसे दांवपेच अखाड़ों से निकलकर हमारी जुबान में भी पहुंच गए हैं। इससे पता चलता है कि कुश्ती का खेल हमारी परंपरा का कितना गहरा हिस्सा रहा है इस परंपरा को पुन: सहेजने के लिए ये दो बड़ी घोषणा मुख्यमंत्री ने की है।

खास बात यह है कि यह घोषणा नाग पंचमी के मौके पर हुई है नाग पंचमी का त्यौहार कुश्ती के दंगलों के लिए जाना जाता है। लोग उत्साह से त्योहार के दौरान अखाड़े में जुटते हैं। बजरंगबली अखाड़ा प्रोत्साहन योजना आरंभ होने से अगली नाग पंचमी में बहुत सारे अखाड़ों में पहलवानों की और दर्शकों की धूम दिखेगी और अगली बार छत्तीसगढ़ के लोग नाग पंचमी और ज्यादा उत्साह से मना सकेंगे।

# स्कूल जाते पलटी ई-रिक्सा, 9 बच्चे हुए

## घायल, गृहमंत्री साहू ने जाना हाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** अंडा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम तिरगा मोड़ के पास सड़क किनारे ई रिक्शा ऑटो पलट गई जिसमें 9 स्कूली बच्चे स्वामी आत्मानंद स्कूल मोहदीपाठ और निकुम स्कूल के बच्चे स्कूल जा रहे थे तभी एक हदासा हो गया जिसमें 9 बच्चे घायल हो गए सूचना मिलते ही संजीवनी 108 से सभी घायल बच्चों को दुर्ग जिला अस्पताल में भर्ती कर मंत्री ताम्रध्वज साहू की तत्परता से सभी बच्चों को इलाज किया गया।

कक्षा छठवीं की निधि देशमुख का हाथ फैक्चर हो गया है हर्षित का पैर फैक्चर हो गया है वहीं अन्य तीन बच्चों को छोटे आई है बाकी चार बच्चे को मामूली छोटी आई है जिसका समय पर इलाज होने से बच्चों को राहत मिली वहीं मंत्री ताम्रध्वज साहू जिला अस्पताल पहुंचकर बच्चों से मिले, वहीं चिकित्सकों को बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए वह पीड़ित परिजनों से बात किया फिलहाल बच्चे अस्पताल में एडमिट है वही उनका इलाज चल रहा है।

मौके पर प्रदेश कांग्रेस महामंत्री जितेंद्र साहू जनपद अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख जिला पंचायत अध्यक्ष पुष्पा यादव,जिला पंचायत सद्स्य माया बेलचंदन ,संकुल समन्वयक निकुम संजय चंद्राकर, बीईओ गोविंद साव, मुख्य स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी दुर्ग जेपी मेश्राम, जीवनदीप समिति सदस्य दुष्यंत देवांगन, प्राचार्य निकुम एके पांडे स्कूल स्टाफसहित क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि अस्पताल पहुंचकर बच्चों का हालचाल जाना।

### बीजापुर में नक्सलियों की करतूत

# अपहृत पूर्व सरपंच को नक्सलियों ने किया घायल, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बीजापुर।** छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के फरसेगढ़ के पूर्व सरपंच महेश गोटा को नक्सलियों ने घायल हालत में छोड़ दिया है। नक्सलियों ने महेश गोटा को धारदार हथियार से घायल किया है। गंभीर रूप से घायल हुए महेश गोटा को कुटरू में प्राथमिक उपचार के बाद बीजापुर जिला अस्पताल रेफर किया गया है। नक्सलियों ने सोमवार की देर रात महेश गोटा को घायल कर छोड़ गए थे।

बता दें बीजापुर में बीते रविवार की दोपहर एक बजे फरसेगढ़ से 10 किलोमीटर दूर दामारम पहाड़ी पर चिकटराज देव की पूजा करने सैकड़ों ग्रामीणों पहुंचे हुए। तभी यहां नक्सली पहुंच गए। पूर्व सरपंच महेश गोटा सहित 50 से ज्यादा ग्रामीण को अगवा कर लिया। पूछताछ के बाद सभी ग्रामीणों को नक्सलियों ने छोड़ दिया। लेकिन फरसेगढ़ के पूर्व सरपंच महेश गोटा को नक्सली बंधक बनाकर ले गए। सोमवार की रात 10 से 11 बजे के बीच धारदार हथियार से घायल कर नक्सलियों ने महेश गोटा को सोमनपल्ली के पास घायल अवस्था मे छोड़ दिए। गंभीर रूप से घायल हुए गोटा को परिजनों ने कुटरू अस्पताल पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बीजापुर जिला अस्पताल ले जाया गया। महेश गोटा की हालत काफी गंभीर बताई जा रही है।

### मासूम की अपील से भी नहीं पिघला नक्सलियों का दिल

रविवार को फरसेगढ़ के पूर्व सरपंच महेश गोटा के साथ 50 ग्रामीणों का अपहरण करने वाले नक्सलियों ने सभी ग्रामीणों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया था। महेश गोटा को नहीं छोड़ा था। इसके बाद उनकी मासूम बेटी दिव्यानी गोटा ने वीडियो जारी कर नक्सलियों ने मार्मिक अपील की थी। दिव्यानी ने वीडियो के माध्यम से कहा कि उनके पिता को छोड़ दें। बच्ची का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इसके बाद भी नक्सलियों का दिल नहीं पिघला और महेश गोटा को गंभीर रूप से घायल कर दिया। बताया जा रहा है कि महेश गोटा को इससे पहले भी एक बार नक्सली अगवा कर चुके हैं।

## चुनावी मौसम में गरीबों का 'हनीमून'

श्रीकंचनपथ

चुनावी मौसम में कुछ लोगों का बीपी बढ़ता है तो कुछ को दिल का दौरा पड़ता है। कुछ लोग बीमार हो जाते हैं तो कुछ लोग फूफाजी बन जाते हैं। इस बार ईडी और आईटी भी पूरी तैयारी में हैं। सबकुछ तैयार है बस तिथि और मुहूर्त का इंतजार हो रहा है। इस उठापटक के बीच लोकतंत्र का सबसे मजबूत हिस्सा कहलाने वाली जनता की उम्मीदें भी आसमान छूने लगी हैं। कोई नियमितीकरण/संविलियन की मांग कर रहा हो तो कोई वेतन वृद्धि की। सबको उम्मीद है कि कुछ न कुछ तो मिल ही जाएगा। पर जनता के बीच जो सबसे गरीब टाइप के लोग हैं वे सिर्फहनीमून का इंतजार कर रहे हैं। यही वह मौका है जो पांच साल में दो बार आता है. नेता और उनके समर्थक गांव-गांव पहुंचते हैं। डोर-2-डोर प्रचार करते हैं और सबको नमस्ते करते हैं। हाथ जोड़े हुए इन नेताओं के चेहरे पर अजीब सा भोलापन और निरीहता के भाव उग आते हैं। करूण स्वर में वे समर्थन और वोट मांगते हैं। यही समय होता है डील सेटल करने का। पंडरिया के आदिवासियों ने भी ऐसा ही किया. कुकदुर तहसील के झूमर, तिलगट्टा, छिंदीडीह के पहाड़ी क्षेत्रों से ये आदिवासी उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के सिविल लाइन स्थित निवास पर पहुंचे थे। उन्होंने अपनी मांगों का आवेदन दिया जिसे बाबा ने सहर्ष स्वीकार कर लिया और कहा कि काम हो जाएगा। इसके बाद सामने आई आदिवासियों के दिल में दबी इच्छा। उन्होंने कहा कि वे हेलीकाप्टर में बैठकर उड़ना चाहते हैं। बाबा ने कहा ठीक है, हो जाएगा. आदिवासियों ने कहा कि उन्हें समुद्र देखना है. बाबा ने कहा, चलो पुरी घुमा लाते हैं। आदिवासी खुश. उनके काम आकर बाबा भी खुश। कितनी छोटी-छोटी होती हैं आम लोगों की इच्छाएं। शायद इसीलिए उनकी उम्र 16 की हो या 56 की, मुंह में दांत हों या न हों, चेहरे पर हमेशा एक मुस्कुराहट खिली रहती है। पर बात यहीं खत्म नहीं हो जाती। आदिवासी अपने प्रिय नेता के लिए कांग की खीर लेकर आए थे. सिंहदेव इसके बारे में ज्यादा नहीं जानते थे। वे महिलाओं को अपने किचन में लेकर गए और कांग की खीर बनाने की विधि सीखी। इसके बाद उन्होंने सबके साथ खीर खाई और उसकी तारीफभी की. दरअसल, यहां मुद्दा यह नहीं है कि आदिवासियों ने मांगें रखीं और उपमुख्यमंत्री ने उन्हें सहर्ष स्वीकार कर लिया। महत्वपूर्ण यह है कि सिंहदेव परिवार एक राजपरिवार है। बावजूद इसके उनका व्यक्तित्व ऐसा है कि वे सबके बीच घुलमिल जाते हैं। राजनीति में उन्हें उच्च वर्ग का पैरोकार भी माना जाता है। पर यह एक घटना ही यह बताने के लिए काफी है कि वस्तुत: ऐसा कुछ भी नहीं है। जितना उनका उद्योगपतियों, अस्पताल संचालकों के बीच उठना बैठना है, उसी सहजता से वे आदिवासियों से भी मिलते हैं। इसलिए आदिवासी उनके साथ अपने मन की छोटी से छोटी बात शेयर कर पाते हैं।

## संपादकीय

# ट्रंप की धमकी

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर राष्ट्रपति पद के लिए लालायित हैं और उन्होंने अमेरिकी मतदाताओं को लुभाने के लिए अगर भारत को निशाना बनाया है, तो कोई आश्चर्य नहीं। अपने बड़बोलेपन और अतिरेकी विचारों के लिए ट्रंप की ख्याति रही है। अपनी ख्याति या कुख्याति के अनुरूप ही उन्होंने भारत के प्रति धमकी भरे लहजे का इस्तेमाल किया है। उन्होंने एक बार फिर कुछ अमेरिकी उत्पादों, विशेष रूप से प्रतिष्ठित हार्ले-डेविडसन मोटरसाइकिलों पर भारत द्वारा उच्च कर का मुद्दा उठाया है और सत्ता में आने पर भारत पर ज्यादा कर लगाने की धमकी दी है। लोग अभी भूले नहीं हैं, जब राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप ने मई 2019 में भारत को टैरिफ किंग के रूप में वर्णित किया था। उन्हें यह शिकायत थी कि भारत अमेरिकी सामान पर कुछ ज्यादा ही शुल्क वसूलता है। ज्यादा शुल्क की वजह से भारत में अमेरिकी उत्पादों की बिक्री महंगी और मुश्किल हो जाती है। इतना ही नहीं, ट्रंप ने भारत को मिले तरजीही दर्जे को भी खत्म कर दिया था। ऐसा इसलिए किया था, क्योंकि वह यह मानते थे कि भारत ने अमेरिका को यथोचित फायदा नहीं दिया। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत एक बहुत बड़ा बाजार है और अमेरिका की शुरू से कोशिश रही है कि वह भारतीय बाजार में अपना ज्यादा से ज्यादा उत्पाद अपने मनमाफिक कीमत पर उतार सके, पर भारत चूंकि अपने हितों को लेकर सजग है, इसलिए ट्रंप जैसे अमेरिकी नेताओं की मंशा पूरी नहीं हो पाती है।

> हालिया सर्वे में ट्रंप की लोकप्रियता स्थिर है, जबकि रामास्वामी की लोकप्रियता में इजाफा हो रहा है। जैसे-जैसे प्रचार आगे बढ़ेगा, रामास्वामी भारतीय मूल के मतदाताओं को लुभाने की कोशिश करेंगे, तो ट्रंप ने भारत विरोधी मुद्रा अख्तियार कर ली है। ऐसा नहीं है कि ट्रंप भारत विरोधी हैं, पर इससे भी बड़ी बात यह है कि वह कट्टर राष्ट्रवादी हैं। उन्होंने राष्ट्रवाद को पहले भी चुनाव में भुनाया है और आगे भी भुनाएंगे, ऐसे में, भारत व भारतीयों को संयम और विवेक से काम लेना चाहिए।

उपरोक्त पृष्ठभूमि में ही ट्रंप की खीज या धमकी को देखा जा सकता है। ट्रंप की मुद्रा पहले की तुलना में भी ज्यादा आक्रामक है। उनके स्वभाव में एक स्थायी चिड़चिड़ापन रहा है और वह भारत के प्रति अपने उद्गार को बहुत मुखरता से व्यक्त करते हैं। वैसे भारत को बहुत चिंता करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि ऐसी धमकियों के पीछे व्यावसायिक पहलू ज्यादा हावी रहता है। चूंकि भारत एक विशाल बाजार है, इसलिए अमेरिका को हमेशा ही भारतीय बाजार की जरूरत रहेगी। ट्रंप जैसे अमेरिकी नेताओं को यह गौर करना चाहिए कि भारत आर्थिक रूप से अमेरिका से काफी पीछे है। जिस कीमत पर अमेरिका में उत्पाद बिकते हैं, उसी कीमत पर उन्हें भारत में नहीं बेचा जा सकता, क्योंकि भारत में कम कीमत पर बेहतर विकल्प मौजूद हैं। दूसरी बात, चीन के सस्ते उत्पादों ने भी भारतीय बाजार में अपनी जगह मजबूत कर रखी है। ऐसे में, महंगे अमेरिकी उत्पादों के लिए भारतीय बाजार में टिकना मुश्किल हो जाता है। यह पहलू ट्रंप जैसे अमेरिकी नेताओं के ध्यान में रहना चाहिए।

अनेक अदालती मामलों में फंसे ट्रंप की धमकी को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। इस धमकी का सियासी पहलू भी है। दरअसल, राष्ट्रपति पद की दावेदारी के लिए ट्रंप को अपनी रिपब्लिकन पार्टी के अंदर ही चुनौती मिल रही है। एक भारतीय मूल के नेता और उद्यमी विवेक रामास्वामी अब ट्रंप के लिए चुनौती बनकर उभर रहे हैं। हालिया सर्वे में ट्रंप की लोकप्रियता स्थिर है, जबकि रामास्वामी की लोकप्रियता में इजाफा हो रहा है। जैसे-जैसे प्रचार आगे बढ़ेगा, रामास्वामी भारतीय मूल के मतदाताओं को लुभाने की कोशिश करेंगे, तो ट्रंप ने भारत विरोधी मुद्रा अख्तियार कर ली है। ऐसा नहीं है कि ट्रंप भारत विरोधी हैं, पर इससे भी बड़ी बात यह है कि वह कट्टर राष्ट्रवादी हैं। उन्होंने राष्ट्रवाद को पहले भी चुनाव में भुनाया है और आगे भी भुनाएंगे, ऐसे में, भारत व भारतीयों को संयम और विवेक से काम लेना चाहिए।

> **जनता के अनुभवों से उपजी कई धारणाएं हमारे समाज में मौजूद हैं, जिनमें एक यह है कि दीवानी का मुकदमा दादा दाखिल करता है और फैसला पौत्र (यदि सौभाग्यशाली हुआ) के जीवन में होता है। दूसरा फौजदारी मामलों को लेकर है, जिसके अनुसार, यदि कोई ताकतवर है, तो अपने जीवन भर अदालतों को चक्कर में डाले ही रख सकता है। देखना दिलचस्प होगा कि नए कानून इन धारणाओं को किस हद तक बदल पाते हैं।**

# इंसाफ और सजा में होगा कितना सुधार

विभूति नारायण राय, पूर्व आईपीएस अधिकारी

विश्व की सबसे पुरानी और मूल स्वरूप से बिना बहुत छेड़छाड़ के सबसे अधिक समय तक अस्तित्व में रहने वाली दंड संहिता, जिसे आमफहम भाषा में आईपीसी (इंडियन पीनल कोड) कहा जाता है, शीघ्र ही अतीत की वस्तु बन जाएगी। 1860 में निर्मित और आज कई राष्ट्रों में विभक्त भारतीय उपमहाद्वीप में पहली बार कोई इतनी विस्तृत और मानवीय गतिविधियों के लगभग हर क्षेत्र को छूने वाली इस संहिता के बनने और प्रयोग में आने की कहानी बड़ी दिलचस्प है। लगभग इसी के साथ अस्तित्व में आई दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी 1882 और 1973) तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम (1872) भी अपना वर्तमान नाम व स्वरूप खो देंगे।

डेढ़ शताब्दी से भी अधिक समय से भारत में फौजदारी न्याय व्यवस्था का मेरुदंड रही आईपीसी कई अर्थों में विशिष्ट है। इसके निर्माता वह प्रतिभाशाली लॉर्ड थॉमस बेबिंगटन मैकाले है, जिसे कई कारणों से भारत में गालियां मिली हैं। कोई शक नहीं कि वह नस्लवादी था और उसका यह दंभी वक्तव्य भी बार-बार दोहराया जाता है कि भारतीयों द्वारा रचित सारा वाङ्मय किसी यूरोपीय पुस्तकालय के एक शेल्फ में समा सकता है। इसके बावजूद उसने भारत में न सिर्फ सही अर्थों में आधुनिक शिक्षा की नींव डाली, बल्कि मानवीय गतिविधियों के हर क्षेत्र को छूने वाली एक विस्तृत दंड संहिता भी बनाई। उसके द्वारा रचित यह इंडियन पीनल कोड कई अर्थों में अद्भुत है। पहली बार जातियों में विभक्त भारतीय समाज को ऐसा कानून मिला, जिसके समक्ष सभी बराबर थे।

रूढ़िबद्ध वर्णाश्रमी समाज में तब्दील होने के बाद पहली बार ऐसा हो रहा था कि एक जैसे अपराध के लिए ब्राह्मण व शूद्र को अदालत समान प्रक्रिया द्वारा समान दंड देने लगी। शायद यही कारण है कि भारत में वर्चस्ववादी तबकों द्वारा मैकाले को बहुत कोसा गया है और आज भी उसके नाम से तरह-तरह के मनगढ़ंत वाक्य किताबों और नेट पर उद्धृत किए जाते हैं। खुद कानून के व्यावहारिक पहलुओं की बहुत कम जानकारी होने के बावजूद उसने इतने रोचक उदाहरणों द्वारा संहिता में वर्णित अपराधों का वर्णन किया कि एक समकालीन लेखक को कहना पड़ा कि उसके द्वारा रचित आईपीसी पढ़ते हुए किसी साहित्यिक कृति सा आनंद देती है।

अपराध और उनके लिए निर्धारित दंड समय सापेक्ष होते हैं। समाज अपने प्रचलित मूल्यों के अनुसार कुछ कृत्यों को अपराध घोषित करता है और फिर उनके लिए सजा का प्रावधान करता है। धर्म इन मूल्यों को प्रभावित करने वाली सबसे महत्वपूर्ण संस्था है। उदाहरण के तौर पर हम मैकाले की समलैंगिकता को लेकर बनी समझ को ले सकते हैं। इंडियन पीनल कोड के अनुसार, यह एक दंडनीय अपराध है। ब्रिटिश साम्राज्य द्वारा शासित लगभग आधे विश्व ने आईपीसी के नमूने पर बने अपने कानूनों में इसे अपराध घोषित किया। इसी तरह मनुष्य के इतिहास में मृत्युदंड को आम स्वीकृति हासिल थी और आईपीसी ने भी कई अपराधों के लिए इसका प्रावधान कर रखा है। राजद्रोह एक ऐसा ही क्षेत्र है, जिस पर खूब विवाद होता है। स्त्रियों, बच्चों और युद्ध बंदियों जैसे वर्गों के खिलाफ किन कृत्यों को अपराध माना जाएगा, यह भी मूल्य सापेक्ष है और मैकाले भी अपने समय की मान्यताओं के अनुकूल ही व्यवहार करता है। जाहिर है, इन पर ईसाई धर्म का निर्णायक प्रभाव है।

यह तो स्वाभाविक ही था कि डेढ़ शताब्दियों तक चलने वाले इस कोड में मूलभूत बदलाव लाए जाते, पर यह देखना बड़ा रोचक होगा कि ये बदलाव किस हद तक उसे बदले समय के अनुकूल बना सके हैं। आज जब दुनिया भर में समलैंगिकता और समलैंगिक विवाहों को वैध बनाने के आंदोलन चल रहे हैं और भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने इसे दंडनीय कृत्य की श्रेणी से हटा दिया है, आईपीसी का नया अवतार भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) इससे संबंधित धाराओं को काफी हद तक बनाए रखता है। महिलाओं से जुड़े यौन उत्पीड़न की परिभाषाएं विस्तृत की गई हैं, लेकिन वैवाहिक बलात्कार या 'मैरिटल रेप' पर यह खामोश है। शायद उसे लगता है कि भारतीय समाज में मूल्यों के स्तर पर अभी जरूरी बदलाव नहीं हुए हैं और पश्चिम द्वारा स्वीकृत इन मूल्यों तक पहुंचने में काफी समय लगेगा। एक और क्षेत्र है, जो मानवाधिकार कार्यकर्ताओं को परेशान करता है और यह राजद्रोह से जुड़ा है। आईपीसी की जगह बीएनएस का मसौदा पेश करते समय दावा किया गया कि यह औपनिवेशिक मानसिक दासता से मुक्ति का दस्तावेज है, लेकिन इसमें भी नाम बदलकर कई ऐसे प्रावधान मौजूद रखे गए हैं, जिनका सरकारें असहमति के स्वर को दबाने के लिए दुरुपयोग कर सकती हैं। फांसी की सजा भी नए कानून में मौजूद है। आज जब दुनिया के अधिकांश सभ्य समाजों ने मृत्युदंड समाप्त कर दिया है, इसे बनाए रखने का हमारा फैसला यही दर्शाता है कि अभी अपनी न्याय प्रणाली को मानवीय बनाने के लिए हमें एक लंबी यात्रा करनी है। भीड़ हत्या या मॉब लिंचिंग की बढ़ती घटनाओं से निपटने के लिए अपराध की एक नई श्रेणी जोड़ी गई है और अगर कार्यपालिका ने जरूरी इच्छाशक्ति का प्रदर्शन किया, तो इसका दूरगामी परिणाम भारतीय समाज पर पड़ेगा।

प्रस्तावित तीनों नए कानूनों में कुछ रेखांकित किए जाने लायक परिवर्तन शामिल हैं। तकनीक के बढ़े इस्तेमाल से पुलिस तफ्तीश अधिक पारदर्शी होगी और मुकदमों के निस्तारण में भी तेजी आएगी। यदि सरकारें जरूरी संसाधन और प्रशिक्षण उपलब्ध करा पाईं, तो फोरेंसिक साइंस का प्रयोग तफ्तीशी अधिकारी का पूरा प्रोफाइल ही बदलकर रख देगी। तकनीक का उपयोग अदालतों की कार्यवाही में भी आमूल-चूल परिवर्तन ला सकता है, जिससे समय और संसाधन, दोनों की बचत हो सकेगी। इन सबके बावजूद सीआरपीसी के नए अवतार बीएनएसएस में अदालतों में देरी के कई प्रमुख कारणों से निपटने की इच्छाशक्ति का अभाव दिखता है। आम जानकारी है कि मुकदमों में लंबे स्थगन आदेशों के पीछे अदालतों से जुड़े लोगों का ही हाथ होता है, पर उनसे यह नया कानून कैसे निपटेगा, बहुत स्पष्ट नहीं है। जनता के अनुभवों से उपजी कई धारणाएं हमारे समाज में मौजूद हैं, जिनमें एक यह है कि दीवानी का मुकदमा दादा दाखिल करता है और फैसला पौत्र (यदि सौभाग्यशाली हुआ) के जीवन में होता है। दूसरा फौजदारी मामलों को लेकर है, जिसके अनुसार, यदि कोई ताकतवर है, तो अपने जीवन भर अदालतों को चक्कर में डाले ही रख सकता है। देखना दिलचस्प होगा कि नए कानून इन धारणाओं को किस हद तक बदल पाते हैं।

**( ये लेखक के अपने विचार हैं )**

## मुख्यमंत्री जन्मदिवस 23 अगस्त पर विशेषः-

# ग्रामीण प्रतिभा निखारने सी एम भूपेश बघेल की नई खोज

विजय मिश्रा 'अमित'

**छत्तीसगढ़िया ओलंपिक बहुजन हिताय -सुखाय**

छत्तीसगढ़ तीज-त्योहारों, प्राचीन सभ्यता-संस्कारों के साथ-साथ पारंपरिक खेलों का भी गढ़ है। खेल गढ़ की इस माटी में न्यूनतम व्यय पर अधिकतम मनोरंजक और स्वास्थ्यवर्धक अनेक खेलों की सदियों पुरानी परंपरा है।यह सर्वविदित है कि परंपराओं को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे विस्तारित संरक्षित करने की जवाबदेही नई पीढ़ी के कंधों पर होती है।

इस सच्चाई के साथ साथ एक हकीकत यह भी है कि नई पीढ़ी के दिल-दिमाग को, उनकी सोच को आधुनिकता की बयार धीरे धीरे बदलती रहती है। ऐसी ही बदलाव के बयार ने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक स्थानीय खेलों को दरकिनार करना आरंभ कर दिया था, जो कि छत्तीसगढ़ के विचारकों के लिए चिंताजनक विषय बनता जा रहा था।

प्रदेश के पुरखों की इस पीड़ा को नवोदित राज्य छत्तीसगढ़ की तीसरी सरकार ने बड़ी बारीकी से समझा परखा। इस तीसरी सरकार की कमान बतौर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल सफलता पूर्वक संभाल रहे हैं। इसी प्रदेश की माटी में जन्मे पले बढ़े मुख्यमंत्री ने शपथ लेने के पल से ही 'माटी का मान बढ़ाने का अभियान' छेड़ दिया था।

अपने पांच वर्षीय कार्यकाल की पूर्णता की ओर अग्रसर श्री भूपेश बघेल ने यहां की संस्कृति,खानपान, पुश्तैनी खेती किसानी सहित रीति-रिवाजों को संरक्षित करने की अभूतपूर्व पहल की है।इसका ही सुखद परिणाम है,अब छत्तीसगढ़ मे ही नहीं बल्कि देश विदेश में छत्तीसगढ़िया संस्कृति को लोग जानने लगे हैं।वर्ष 2022 से आरंभ छत्तीसगढ़िया ओलंपिक भी ऐसी अभिनव पहल की अटूट कड़ी है।जिसे मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री उमेश पटेल निर्बाध आगे बढ़ा रहे हैं।

### शुभंकर बछरू 36 लांच

इस दिशा में आगे बढ़ते हुए छत्तीसगढ़ का पहला सालाना पर्व हरेली के पावन पर्व 17 जुलाई पर मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़िया ओलंपिक 2023 का उद्घाटन नवागांव में गेंड़ी दौड़ मुकाबला दल को हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा,संस्कृति का संवर्धन और छत्तीसगढ़ की जनता की

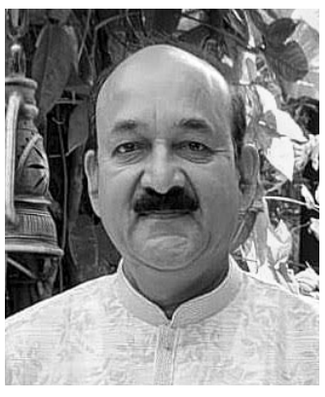

उन्नति हेतु हम प्रतिबद्ध हैं।

ओलंपिक के दूसरे वर्ष में बेहद लोकप्रिय शुभंकर 'बछरू' एवं कर्णप्रिय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक गीत का भी सृजन किया गया है। 36 नम्बर की जर्सी और सोंहाई माला पहने गाय के दो बच्चों (बछरू )को शामिल कर निर्मित शुभकंर अत्यंत आकर्षक है।साथ ही छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति और सुदृढ़ सामाजिक तानाबाना का मनमोहक संकेत है।

### 16 खेलों का समावेश

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में 16 पारम्परिक खेलों को सम्मिलित किया गया है।जिनके नाम बिल्लस, फुगड़ी,भंवरा,पिट्ठुल, गेंड़ी दौड़,रस्सी कूद,खो खो,गिल्ली डंडा,बांटी, कबड्डी,संखली,लंगड़ी दौड़, कुश्ती,लंम्बी कूद,दौड़,रस्साकसी आदि हैं।इन खेलों के माध्यम से ग्रामीण अंचल की छुपी खेल प्रतिभाओं की विशिष्ट पहचान हो रही है। जिनसे उम्मीद की जा सकती है कि वे गांव से निकलकर राष्ट्रीय- अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में प्रदेश का नाम रोशन कर सकेंगे।

17 जुलाई से 27 सितंबर 23 तक आयोजित ओलम्पिक कार्यक्रम में तीन अलग-अलग आयु समूह बनाए गए हैं।जिसमें 18 वर्ष तक,18 से 40 वर्ष तथा 40 वर्ष से अधिक आयु के बच्चे- युवा-बूढ़े खिलाड़ी (महिला पुरुष)भागीदारी देंगे।इसके अंतर्गत ग्रामीण स्तर से राज्य स्तर तक छः चरणों में स्पर्धाएं नाकआउट पद्धति से संपादित होंगी। प्रत्येक स्तर पर विजेताओं को हजारों रूपए पारितोषिक संग प्रमाण पत्र दिए जाएंगे।

### राजनैतिक चश्में से न देखें

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में इस वर्ष तीस लाख से अधिक संख्या में लोगों की सहभागिता का आंकलन किया गया है।दो महीने दस दिन तक चलने वाले इस खेल महाकुंभ के दौरान आपसी मेल-जोल से रिश्तों में प्रगाढ़ता आएगी,मोबाइल में सिमटती पीढ़ी को नई दिशा मिलेगी,दर्शकों प्रतिभागियों को मानसिक तनाव-अवसाद से मुक्ति, उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रशिक्षण सहित युवा मितान क्लब की युवाशक्ति का सदुपयोग सुनिश्चित होगा।आयोजन की अवधि में खोमचे ठेले जैसे छोटे व्यवसायों की आय में भी अवश्य बढ़ोतरी होगी।

इस दृष्टि से व्यापक अर्थों में कहा जा सकता है कि मुख्यमंत्री की सोच -खोज छत्तीसगढ़िया ओलंपिक 'बहुजन हिताय बहुजन सुखाए' को शतप्रतिशत साकार करेगा।प्रदेश के पारम्परिक स्थानीय खेलों का संरक्षण संवर्धन होगा।विलुप्त हो रहे लोक खेलों को पुनर्जीवित एवं प्रतिष्ठित करने का सुअवसर मिलेगा। अतः इस बहुउद्देशीय -बहुपयोगी खेल पर्व को राजनैतिक चश्में से न देखते हुए सभी जिम्मेदार लोग खेल भावनाओं से लबरेज होकर जुड़ेंगे। खेल खेल में गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ को चरितार्थ करेंगे।ऐसी कामना है।

**वरिष्ठ निर्देशक ( लोक -हिन्दी रंगमंच ), एम 8 सेक्टर 2 अग्रोहा सोसाइटी रायपुर,छग**

# सपने तक डर की घुसपैठ

क्या सपने न देखना संभव है, ताकि जब आप सोएं, तो पूर्ण विश्राम, पूरी संतुष्टि के साथ सोएं, ताकि अगली सुबह जब जगें, तो आपका मन तरोताजा हो? उसे किसी संघर्ष से न गुजरना पड़ा हो?

आप सब जानते हैं कि इस संसार में चारों तरफ भय व्याप्त है। यह सबसे भयावह समस्याओं में से एक है, जिससे हम सब दो-चार हैं खोजे जाने का डर, खुद को उजागर करने का डर, इस बात का भय कि वर्षों पहले जो कहा था, उसे दोहराया जा सकता है और आप घबराए हुए हैं। आप झूठ बोलते जाते हैं। डर की इस असाधारण प्रकृति को आप जानते हैं। जब कोई डर में रहता है, तो वह अंधेरे में रहता है। यह एक भयानक बात है। कोई इस बारे में जानता है, कोई नहीं जानता कि इसके साथ क्या करना है? इसलिए वह विश्लेषकों, मनोविश्लेषकों की ओर रुख करता है। यह सब व्यवसाय है।

सपनों का डर, जीवन का डर, मौत का डर! सपनों की बात करते हुए हमने हमेशा इस आदत को स्वीकार किया है कि व्यक्ति को सपने देखने चाहिए। यह अपरिहार्य है। विश्लेषकों और मनोवैज्ञानिकों ने कहा है कि आप सपने नहीं देखेंगे, तो पागल हो जाएंगे।... कोई कभी नहीं कहता, मैं स्वप्न क्यों देखूं? सपने देखने का क्या मतलब है? सपने क्या हैं और उनकी व्याख्या कैसे की जाती है? उनकी व्याख्याएं बहुत जटिल हैं और वास्तव में उनका बहुत कम अर्थ है। इसके बजाय आपको यह पता लगाना है कि क्या सपने न देखना संभव है, ताकि जब आप सोएं, तो पूर्ण विश्राम, पूरी संतुष्टि के साथ सोएं, ताकि अगली सुबह जब जगें, तब मन तरोताजा हो। उसको किसी संघर्ष से न गुजरना पड़ा हो। मेरी राय में यह संभव है।

सवाल है, लोग स्वप्न देखते ही क्यों हैं? क्योंकि दिन भर आप व्यस्त रहते हैं; आपका चेतन मन, सामान्य मन तो व्यस्त रहता है नौकरी में, कार्यालय-कारखाने जाने में, खाना पकाने में, बर्तन धोने में, मगर गहन चेतना जागृत होती है और वह साधारण मन को सूचित करने में सक्षम नहीं हो पाता। ऐसे में, जब आप सोने जाते हैं, तब सामान्य मन कमोबेश शांत होता है पूरी तरह तो नहीं, लेकिन काफी हद तक शांत होता है और इस शांति में अचेतन अपनी लालसाओं, अपने भय के संकेत देता है और चेतन मन उसे स्वप्न में बदल देता है। सपने में डरना भी ऐसा ही है।

मगर डर कोई असाध्य समस्या नहीं है। जब डर की समझ होगी, तो उससे संबंधित सभी समस्याओं की समझ भी होगी और जब कोई भय नहीं होगा, तभी सच्ची स्वतंत्रता होगी। तब मन किसी भी आदत से अछूता रहेगा और आप सब जानते हैं कि प्रेम आदत नहीं है, इसे विकसित नहीं किया जा सकता, आदतें विकसित की जा सकती हैं। हममें से अधिकांश के लिए प्यार एक ऐसी चीज है, जो इतनी दूर है कि हम इसकी प्रकृति भी नहीं जानते हैं। इसको पाने के लिए तो पूर्ण स्वतंत्रता होनी चाहिए।

**जे कृष्णमूर्ति**

# हम क्यों नहीं बना पा रहे स्पेन जैसी महिला फुटबॉल टीम

अनादि बरूआ, पूर्व राष्ट्रीय कोच-फुटबॉल

विश्व महिला फुटबॉल को स्पेन के रूप में नया विजेता मिला है। यह दुनिया की ऐसी पांचवीं टीम बन गई है, जिसने फीफा महिला विश्व कप का खिताब जीता है। विश्व कप शुरू होने से पहले अमेरिका और इंग्लैंड को बड़ा दावेदार माना जा रहा था, मगर उपलब्धि स्पेन के झोली में आई। स्पेन की रणनीति 'टिकी टका' गेम थी, यानी उसकी खिलाड़ियों ने छोटे-छोटे पास देकर गेंद को अपने पास रखा। इसका फायदा यह हुआ कि फाइनल में इंग्लैंड की टीम एक अदद गोल के लिए तरसती रही। इस बार जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, फ्लिपींस, वियतनाम जैसी एशियाई टीमें भी प्रतियोगिता में थीं, पर इनमें से सिर्फ जापान क्वार्टर फाइनल तक पहुंच सकी।

इस बार महिला विश्व कप में काफी तेज गेम खेला गया। ज्यादातर 'फिल्ड गोल' हुए, यानी खिलाड़ियों ने खेल के क्रम में ही गोल दागे। इंग्लैंड या जापान जैसी टीमें जिस 'डेड बॉल सिचुएशन' (फ्री किक, कॉर्नर किक आदि से मिलने वाले गोल) पर भरोसा करती हैं, वह तुलनात्मक रूप से कम दिखा। इसका नतीजा यह हुआ कि कई अप्रत्याशित गोल हुए। जैसे, गोल पोस्ट के बिल्कुल किनारे डंडे के पास गोल किए गए, जो मुश्किल माने जाते हैं। इसने महिला विश्व कप को और लोकप्रिय बना दिया।

टीमों की संख्या के लिहाज से महिलाओं और पुरुषों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। दुनिया भर में महिलाओं की कुल 203 फुटबॉल टीमें हैं, जबकि पुरुषों की 207, लेकिन पुरुषों के मैच ज्यादा देखे जाते हैं। फीफा ने भी पुरुषों के विश्व कप में टीमों की संख्या बढ़ाकर 48 करने का फैसला किया है, जबकि महिलाओं के लिए पूर्ववत 32 टीमों का ही चयन किया जाएगा।

भारत फुटबॉल में काफी पीछे है। चूंकि पुरुषों के होने वाले अगले विश्व कप में मेजबान होने के कारण एशिया से आठ

टीमें चुनी जाएंगी, फिर भी चयन के लिए हमारी टीम को काफी मेहनत करनी पड़ेगी। उनकी तुलना में महिलाओं पर ज्यादा भरोसा किया जा सकता है, बशर्ते उन्हें पर्याप्त सुविधा दी जाए। ऑस्ट्रेलिया फुटबॉल टीम की कप्तान सैम केर ने तो भारत आकर फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए कुछ करने की इच्छा जताई है, क्योंकि उनके माता-पिता भारतीय मूल के हैं। हम ऐसे हितैषियों की मदद ले सकते हैं। अब भी हमारे यहां क्रिकेट को बहुत तवज्जो दी जाती है। फीफा महिला विश्व कप के एकाध मैचों को ही दूरदर्शन ने दिखाया। फुटबॉलरों को नौकरी नहीं मिलती। झारखंड में ही, जहां से अच्छे फुटबॉल खिलाड़ी निकलते रहे हैं, संगीता कुमारी जैसी खिलाड़ियों को पेट पालने के लिए ईंट भट्ठे पर काम करना पड़ता है। अगर ऐसी खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिले, तो महिलाओं की फुटबॉल टीम काफी कुछ कर सकती है। हालांकि, कुछ काम हो भी रहा है। 15 साल पहले ही दिल्ली में महिलाओं की कुल आठ टीमें हुआ करती थीं, जिनकी संख्या बढ़कर 50 से ज्यादा हो गई है। पुरुष टीमों की भी संख्या 150 के करीब है। इस कारण अनुमान है कि देश भर में महिला फुटबॉलरों की लगभग 8,000 टीमें प्रैक्टिस करती हैं, जबकि पुरुषों की करीब 15,000 टीमें। फिर भी, अगर हम अपने यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्पर्द्धा करने योग्य बेहतर टीम नहीं बना पा रहे, तो यह शोचनीय मसला है।

भारत से छोटा देश फ्लिपींस जब अपने खिलाड़ियों को ऑस्ट्रेलिया से जीतते देखता है, तो जश्न मनाता है, लेकिन हम इस सबमें उदासीन रहते हैं। अलबत्ता, हरियाणा की लड़कियां दिल्ली से खेलती हैं। लिहाजा, फुटबॉल के प्रति माहौल बनाना जरूरी है, साथ ही माता-पिता की मानसिकता भी बदलनी होगी और उन्हें बहुत छोटी उम्र, करीब पांच साल में ही अपने बच्चे को फुटबॉल के लिए तैयार करना होगा। जापान, चीन जैसे देश इसलिए अच्छा खेलते हैं, क्योंकि वहां खेल का माहौल है। अपने यहां करीब 12 साल की उम्र में कोई बच्चा फुटबॉल खेलने की शुरुआत करता है, जिसे तकनीकी रूप से काफी देर माना जाता है। अभी पूर्वोत्तर, विशेषकर मणिपुर की लड़कियों का दबदबा है। फुटबॉल के प्रति जुनून अगर हम उत्तर भारत में भी पैदा कर सकें, तो फीफा की हमारी रैंकिंग, जो फिलहाल 60 है, निस्संदेह सुधर सकेगी।

**( ये लेखक के अपने विचार हैं )**

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेः-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE 93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

# श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़



इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM




## खास खबर

### बीएसपी सीएसआर द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

**भिलाई।** सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए वर्षभर नि:शुल्क चिकित्सा षिविर का आयोजन अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में एवं खदान क्षेत्रों में किया जा रहा है। इसी क्रम में कमकासुर तथा महकाकला में चिकित्सा षिविर का आयोजन किया गया। 18 अगस्त 2023 को डुल्की मांइस के समीप स्थित कमकासुर ग्राम पंचायत में आयोजित चिकित्सा षिविर में कुल 16 मरीजों ने अपना उपचार कराया। प्रात: 10 बजे से प्रारंभ हुए शिविर में सामान्य जांच, शुगर, बीपी के अतिरिक्त नि:षुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। 19 अगस्त 2023 को महकाकला में आयोजित चिकित्सा षिविर में कुल 50 लोगों की जांच कराके उनको दवाई वितरण किया गया, जिसमें 14 पुरूष, 26 महिलाएं तथा 10 बच्चे शामिल थे। इस चिकित्सा शिविर में सीएसआर मेडिकल टीम से चिकित्सक डॉ ईषा कुजूर, बीपी व शुगर परीक्षण हेतु श्रीमती फ्रिोजा जोसेफ, फार्मासिस्ट ए एस गौर, पंजीकरण हेतु शंभु तथा सीएसआर विभाग से सीता सिन्हा उपस्थित थी। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की नि:षुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देष्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है।

### दुर्ग संभाग में धान की फसल शानदार, किसान प्रसन्न

**दुर्ग।** दुर्ग संभाग के सभी जिलों में धान की फसल शानदार है। धान के पौधों में बढिया चमक है। किसान खुश है। किसानों का कहना है कि अभी तक बारिश पर्याप्त है। तीजा के समय धान के पौधों में बालियां आना शुरू हो जाएगा। नवरात्रि के समय धान पकना चालू हो जाएगा। दिवाली के आसपास या दिवाली के बाद धान की कटाई शुरू हो जाएगी। इस साल भी सरकार नवंबर महीने से धान की खरीदी करने की तैयारी में जुटी हुई है। हालांकि यह समय चुनाव का भी होगा, मगर किसानों को यकीन है कि चुनाव के चलते उनके धान को बेचने में मंडियों में कोई दिक्कत नहीं आएगी। इस बार किसानों को उम्मीद है कि सरकार धान का समर्थन मूल्य के बजाय और अधिक बोनस दे सकती है। प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदी की सीमा बढ़ाने से भी किसान संतुष्ट हैं। सरकार को उम्मीद है कि इस बार 135000 मेट्रिक टन धान की खरीदी की जाएगी। पिछले साल 1 लाख टन से अधिक धान की खरीदी करके सरकार ने बढिया रिकार्ड बनाया था। बहरहाल अभी किसान अपना फसल देखकर प्रसन्न है ।

### मृतक के परिजनों को मिली 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता

**दुर्ग।** कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने दुर्घटना में मृतक के परिजनों को 12 लाख रूपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खपरी, तहसील धमधा, जिला दुर्ग निवासी गौतम यादव की विगत 10 जून 2021 को तालाब में डूबने से मृत्यु हो गयी थी। इसी प्रकार वार्ड नं. 1 डबरा पारा, पंचशील नगर, तहसील व जिला दुर्ग निवासी दिनेश कुमार की विगत 28 अगस्त 2022 को सर्प काटने पर एवं टंकी मरोदा, दुर्गा चौक, तहसील व जिला दुर्ग निवासी रामबहादुर सन्यासी की विगत 28 अगस्त 2022 को तालाब में नहाते वक्त डूब जाने से मृत्यु हो गयी थी।

### 5 करोड़ से होगा विकास, पुरैना में बनेगा कौशल्या माता चौक

# नागरिकों की मांग पर होता है विकासः ताम्रध्वज साहू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सद्स्य एवं प्रदेश के लोक निर्माण, गृह व कृषि मंत्री ताम्रध्वज साहू ने सोमवार को 53 कार्यो का भूमिपूजन किया। ग्रामीण परिवेश वाले पुरैना और डुण्डेरा के आधा दर्जन वार्डो में 5 करोड़ 34 लाख 49 हजार से विकास होगा। मंत्री ने कहा कि नागरिकों की मांग पर विकास होता है।

गृहमंत्री ने कहा कि सांसद रहते वे पहली बार पुरैना आए थे। तब यहां की स्थिति अलग थी। विधायक और मंत्री रहते वे कई बार आए। नागरिकों की मांगो को सूचीबद्ध कर कार्यो को मूर्त रूप दिया। विकास के नए आयाम के लिए नागरिकों की मांग को प्रमुख होना बताया। महापौर शशि सिन्हा व विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री जितेन्द्र साहू, एमआईसी, अनुप डे, गोविन्द चतुर्वेदी, सनीर साहू, चन्द्रप्रकाश सिंह निगम, सोनिया देवांगन, परमेश्वर पार्षद पार्वती महानंद, रंजीता बेनुआ, रोहित धनकर, खिलेन्द्र चन्द्राकर, जहीर अब्बास, अनिल देशमुख, ओमप्रकाश मिर्झा, सुनंदा चन्द्राकर, ब्लाक कांग्रेस के अध्यक्ष मुकुंद भाऊ, एल्डरमेन जी राहूल व तरूण बंजारे आदि उपस्थित थे।

#### चौक का सौंदर्यीकरण

गृहमंत्री ग्रामीण परिवेश वाले वार्डो का भूमिपूजन करने के बाद दोपहर 2 बजे मैत्री नगर पहुंचे। उन्होंने यहां पर चौक सौंदर्यीकरण के तहत परशुराम चौक निर्माण करने भूमिपूजन किया। इसी तरह पुरैना में कौशल्या माता चौक का निर्माण किया जाएगा।

#### मंत्री का स्वागत परंपरागत रूप से

पुरैना की महिलाएं मंत्री का स्वागत परंपरागत तरीके से की। मंत्री के पुरैना पहुंचते ही महिलाओं ने पहले चरण पखारे फिर आरती उतारकर आवभगत किया। नागरिकों ने मंत्री का स्वागत शाल, गमछा भेंट कर किया। वहीं पुरैना व डुण्डेरा में 25 से भी अधिक लोगों ने कांग्रेस प्रवेश किया। गृहमंत्री व ब्लाक अध्यक्ष ने कांग्रेस प्रवेश करने वालों को कांग्रेस का गमछा ओढ़ाकर स्वागत किया।

#### पौनी पसारी का लोकार्पण

गृहमंत्री ने पुरैना में फुटकर व्यापारियों और परंपरागत व्यवसाय करने वालों के लिए बनाए पौनी पसारी का लोकार्पण किया। इसके अलावा सतनाम भवन डुण्डेरा का भी लोकार्पण किया। उन्होंने पुरैना में जर्जर हो चुके अटल आवास के मरम्मत के लिए भूमिपूजन किया।

#### इन कार्यो का हुआ भूमिपूजन

वार्ड 38 में स्ट्राम वॉटर डेऊन 3 लाख, सीसी रोड 11 लाख, सांस्कृतिक भवन निर्माण 20 लाख, सांस्कृतिक भवन निर्माण 20 लाख, शा.प्रा.शाला में अतिरिक्त कक्ष 8.75 लाख, शा.मा.शाला में अतिरिक्त कक्ष 13.70 लाख, चैड़ीकरण 15 लाख, मार्ग संधारण 6.85 लाख, वार्ड 39 बाउंड्रीवाल निर्माण 5 लाख, बाउंड्रीवाल निर्माण 5 लाख, सीसी रोड 4 लाख, सामुदायिक भवन 10 लाख, रोड चैड़ीकरण 8.78 लाख, बाउंड्रीवाल 5 लाख, बाउंड्रीवाल निर्माण 5 लाख, रोड निर्माण 4.57 लाख, वार्ड 40 चबुतरा निर्माण 1 लाख, मंच निर्माण 2 लाख, सीसी रोड 11 लाख, सांस्कृतिक भवन 20 लाख, शा. प्रा. शाला में अतिरिक्त कक्ष 8.75 लाख, शा. मा. शाला में अतिरिक्त कक्ष 13.70 लाख, शा. उच्च. मा. शाला में अतिरिक्त कक्ष 15.25 लाख, सामुदायिक भवन 10 लाख, रोड चैड़ीकरण 9.04 लाख, पौनी पसारी निर्माण कार्य 30 लाख, सौंदर्यीकरण 19.59 लाख, अटल आवास मरम्मत कार्य 46 लाख, वार्ड 37 शा. प्रा. शाला में अतिरिक्त कक्ष 8.75 लाख, शा. मा. शाला में अतिरिक्त कक्ष 13.70 लाख, शीतला मंदिर का जीर्णोद्धार 5 लाख, सीसी रोड निर्माण 9.89 लाख, सीसी रोड संधारण 7.07 लाख, सतनाम भवन 7 लाख, वार्ड 35 नाली निर्माण 2.66 लाख, सीसी रोड संधारण 2.82 लाख, सीसी रोड 1.41 लाख, मंच संधारण 2.11 लाख, सामुदायिक भवन 10 लाख, नाली निर्माण 20 लाख, रोड संधारण 2.20 लाख, वार्ड 36 सामुदायिक भवन 5 लाख, नाली निर्माण 3.87 लाख, नाली निर्माण 5.13 लाख, शा. प्रा. शाला में अतिरिक्त कक्ष 8.75 लाख, शा. मा. शाला में अतिरिक्त कक्ष 13.70 लाख, शा. उच्च. मा. शाला में अतिरिक्त कक्ष 15.25 लाख, रोड चैड़ीकरण 4.70 लाख, रोड चैड़ीकरण 15.29 लाख, सीसी रोड निर्माण 8.97 लाख, वार्ड 27 में सौंदर्यीकरण कार्य 16.09 लाख।

# छत्तीसगढ़ में हम असहमति का भी सम्मान करते हैं सबसे मशविरा कर नीतियां तैयार करते हैं - मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के लोगों की विशेषता है कि हम असहमति का भी सम्मान करते हैं। लोगों से मशविरा करते हैं और इसके बाद नीतियां तैयार करते हैं। जो अच्छी कार्यप्रणालियां हैं उन्हें यथावत रखते हैं, जिनमें कुछ त्रुटि है और सुधार की गुंजाइश है उन्हें ठीक करते हैं। हमारे भीतर यह सादगी इसलिए आई क्योंकि यह भूमि भगवान राम की ननिहाल है।

यहां कबीर, गुरुघासीदास तथा विवेकानंद जैसे साधकों का असर है। यह बात मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने एक निजी टीवी चैनल के शुभारंभ के अवसर पर अपने संबोधन में कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ एक सांस्कृतिक ईकाई है। यद्यपि राज्य का निर्माण वर्ष 2000 में हुआ लेकिन छत्तीसगढ़ राज्य को लेकर जो लोगों के सपने थे, वे पूरे नहीं हो पाए। छत्तीसगढ़ी संस्कृति को एक नये राज्य में फलने-फूलने का जैसा अवसर मिलना चाहिए था, वैसा नहीं मिल पाया। हम लोगों ने यह काम किया है। अपनी धरोहर को सहेजने का काम हमने शुरू किया है। भगवान राम हमारे भांजे हैं उनसे जुड़े हुए राम वन पथ गमन परिसर के विकास का कार्य हमने आरंभ किया। कौशल्या माता मंदिर के विस्तार का काम हमने आरंभ किया। अपनी सांस्कृतिक और अस्मिता को सहेजने का काम हमने किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने छत्तीसगढ़ की जरूरतों के मुताबिक और यहां के परिवेश को समझते हुए नीतियां बनाई। मसलन जब स्वास्थ्य सेवा लोगों तक पहुंचाने की बात आई तो हमने हाट बाजारों को चुना। हाट बाजार लोगों की गतिविधियों के मुख्य केंद्र में होते हैं। यहां मोबाइल मेडिकल वैन भेजने से लाखों लोगों को लाभ हुआ। इंग्लिश मीडियम में शिक्षा समय की सबसे बड़ी माँग थी। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय योजना के अंतर्गत हमने ऐसे स्कूल आरंभ किये। इसके साथ ही इंग्लिश मीडियम कालेज आरंभ किये गये और भविष्य में भी जरूरत के मुताबिक इंग्लिश मीडियम कालेज आरंभ किये जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच सालों में छत्तीसगढ़ में 40 लाख लोग गरीबी के दायरे से बाहर आये हैं। ऐसा इसलिए संभव हो पाया क्योंकि हमारी न्याय योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचा।

# बीएसपी सेक्टर-4 सोसाइटी में रिटायर कर्मियों का विदाई समारोह

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 ने बीएसपी एक समारोह में माह जुलाई 2023 भिलाई स्टील प्लांट की सेवा से निवृत्त हुए 33 कर्मियों को विदाई दी । यह संयोग रहा कि सेक्टर-4 सोसाइटी का स्थापना वर्ष 1963 है और विदाई समारोह में उपस्थित सभी रिटायर कर्मियों का जन्म वर्ष भी 1963 था। आयोजन में कई सदस्यों ने इस सुखद संयोग की तरफ उपस्थित लोगों का ध्यान दिलाया। वरिष्ठ सदस्यों ने संस्था की कार्यशैली की भूरि भूरि प्रशंसा की। वहीं सदस्यता जारी रखने हेतु सभी रिटायर सदस्यों ने प्रस्ताव रखा। अधिकांश सदस्यों ने कहा कि उनके बच्चों की उच्च शिक्षा में संस्था का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सभी रिटायर कर्मियों को अध्यक्ष अशोक परगनिहा व पदाधिकारियों ने सम्मान पत्र, मिठाई, श्रीफल व अंतिम भुगतान का चेक प्रदान कर भावभीनी विदाई दी।

# शासकीय प्राथमिक शाला भटगांव स्कूल भवन के जीर्णोद्धार के लिए दिया आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**दुर्ग।** कलेक्टोरेट सभाकक्ष में प्रति सोमवार को आयोजित होने वाले कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने जिले के विभिन्न स्थानों से पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी मांगों एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी लेते हुए प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक पहल करने को कहा। आज जनदर्शन में 112 आवेदन प्राप्त हुए।

कलेक्टर जनदर्शन में पाटन निवासी कृषक ने खेत में पानी एवं रास्ता दिए जाने की मांग की। उन्होंने बताया कि अनावेदक के खेत से होकर मेरे खेत में नहर पानी जाता है। वर्तमान में अनावेदक द्वारा मेरे खेत में आने जाने वाले रास्ते एवं नहर पानी को ले जाने नही दिया जा रहा है, जिसके कारण वह कृषि कार्य करने में असमर्थ है। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार पाटन को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

इसी प्रकार बोरी निवासी ने स्वयं की शेष कृषि भूमि पर अनावेदक द्वारा आम रास्ता बनाए जाने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि मेरे जीविका का एकमात्र साधन कृषि भूमि है, जिससे मै अपने परिवार का भरण पोषण करता हूँ। किन्तु अनावेदक द्वारा मेरे शेष बची कृषि भूमि पर बिना किसी न्यायलयीन आदेश व विधिक कार्यवाही के कृषि भूमि पर आम रास्ता बना लिया गया है, जिसके कारण हमेशा अशांति का माहौल बना रहता है। कैलाश नगर वार्ड-19 के कॉलोनीवासियों ने आम रास्ते को रोककर भवन निर्माण किए जाने की शिकायत लेकर पहुंचे कॉलोनीवासियों ने बताया कि आम रास्ता को रोककर अन्य व्यक्ति द्वारा भवन निर्माण किया जा रहा है।

# सम्मान और अधिकार के लिए लड़ेंः राज्यपाल हरिचंदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने ओडिशा प्रवास के दौरान आज जयदेव भवन, भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय ओडिशा स्वाभिमान सम्मेलन का उद्घाटन किया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हरिचंदन ने इस मौके पर ओडिशा की गौरवशाली संस्कृति, साहित्य, इतिहास, परंपरा का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि जिस जाति के पूर्वजों ने गंगा से गोदावरी तक साम्राज्य फैलाया, ओडिशा का झंडा फहराया और ओडिशा का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया, उस जाति के लोगों को कायर नहीं होना चाहिए और अपने हक और अधिकार के लिए लड़ना चाहिए।

श्री हरिचंदन ने कहा कि उड़ीसा का साहित्य जितना समृद्ध है उतना ही सुंदर भी है। ओडिशा के साहित्य में दर्शन, जीने की कला और पूरे विश्व को अपना परिवार कहने का साहस है। हमे ऐसे महान राष्ट्र की संतान होने पर गर्व होना चाहिए। हमारी संस्कृति और परंपराएं रिश्तों को बढ़ावा देती हैं और सद्भाव पैदा करती हैं और साथ मिलकर रहने का दृष्टिकोण प्रदान करती हैं। हमारी सैन्य शक्ति शांति का संदेश देते हुए अन्याय, अत्याचार, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देती है। राज्यपाल श्री हरिचंदन ने कहा कि हमारा इतिहास हमें मतभेद का त्याग कर लोगों को साथ रहने के लिए प्रेरित करता है। इस मौके पर राज्यपाल ने पीड़ित लोगों के लिए खड़े होने और उन्हें उनका अधिकार दिलाने का आह्वान किया। वर्तमान समय तलवार या तोप का नहीं बल्कि शांति और कानून का है। हर आदमी अपनी माँ, माटी और देश की सेवा करने में गौरव महसूस करे। विश्व को एक परिवार मानें और एक-दूसरे की ओर हाथ बढ़ाएं। अन्याय और जुल्म के खिलाफ लड़े और युवाओं का हक दिलाकर उनके चेहरे पर खुशियां भरें।

उक्त कार्यक्रम में पद्मश्री रवि बस्तिया, पत्रकार प्रमोद महापात्र, शिक्षाविद् बद्रीनाथ पटनायक, सामाजिक कार्यकर्ता फिलिप श्रीचंदन, शिक्षाविद् प्रो. प्रफुल्ल कुमार मोहंती, संस्थान के अध्यक्ष मेजर सुशांत कुमार सावत आदि शामिल हुए।

# कलाकार को राह दिखाई उसकी कृति ने, रंगों में बताया जीवन दर्शन

## कला मंदिर में 'कलाकार का स्वप्न' नृत्य नाटिका की भव्य प्रस्तुति

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** रंगों के माध्यम से जीवन दर्शन का बोध कराने अंचल के शास्त्रीय नृत्य में पारंगत कलाकारों बीती रात महात्मा गांधी कला मंदिर के मंच पर नृत्य नाटिका 'कलाकार का स्वप्न' की भव्य प्रस्तुति दी। कृष्ण प्रिया कथक केंद्र की छह से लेकर 25 साल की उम्र तक की इन कलाकारों ने शास्त्रीय और उप शास्त्रीय नृत्यों के माध्यम से गीत-संगीत और रोशनी व रंगों के संयोजन के बीच ऐसी सधी हुई प्रस्तुति दी कि अतिथियों सहित दर्शकगण भी वाह-वाह करते रहे।

तालियों की गड़गड़ाहट के बीच दर्शकों ने इन कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। कृष्ण प्रिया कथक केंद्र की संचालक उपासना तिवारी ने अतिथियों के स्वागत के उपरांत भूमिका में बताया कि रंगों की अपनी दुनिया है। एक कलाकार इन रंगों को किस नजरिए से देखता

है और हकीकत में ये रंग होते कितने रंगीन हैं, इनके बीच का फर्क बड़ा ही महीन है। इसे दर्शकों के सम्मुख कलाकार साकार करेंगे। कथानक के मुताबिक एक कलाकार अवसाद की स्थिति में नींद में होता है तो स्वप्न में उसकी कृति आती है और उसे रंगों के माध्यम से जीवन दर्शन का बोध कराती है और अवसाद से उबारती है।

करीब घंटे भर की सधी हुई प्रस्तुति की शुरुआत वंदना से हुई। इसके बाद मंच पर कलाकारों ने रंगो की दुनिया का जादू बिखेरना शुरू किया। सूत्रधार के तौर पर एक कलाकार और उसकी कृति के बीच संवाद के साथ-साथ बैंगनी, हरा, पीला, नीला, केसरिया, लाल और सफेद रंग की दुनिया से दर्शक रूबरू होते गए। जिसमें उत्कृष्ट संगीत और नृत्य के संयोजन ने दर्शकों को बांधे रखा।

इस अवसर पर डॉ. ममता शुक्ला, अरविंद जैन, कनिका जैन, प्रभंजय चतुर्वेदी, डॉ. आलोक दीक्षित, गुरमीत धनई सहित अन्य विशिष्ट अतिथि मौजूद थे। इस नृत्य नाटिका में सूत्रधार के तौर पर कलाकार की भूमिका शुभि जैन और कृति की भूमिका महेंद्र ठाकरे ने निभाई। इसमें कृति को उपासना तिवारी और कलाकार को महेंद्र ठाकरे ने अपनी आवाज दी। वहीं संगीतकार रवींद्र कर्मकार, गायन रवीश कालगावकर, सुनील सोनी और सपना, संगीत संयोजन वीके सुंदरेश, रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग व मास्टरिंग बिन्नी पॉल का था।


ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578



Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

## खास खबर...

### दिव्यांगजनों के लिए प्लेसमेंट कैम्प कल रायपुर में

**रायपुर।** राजधानी रायपुर के सिविल लाईन स्थित रोजगार कार्यालय में दिव्यांगजनों के लिए विशेष प्लेसमेंट कैम्प 23 अगस्त को होगा। राजभवन के बाजू में स्थित कार्यालय में होने वाले इस कैम्प के माध्यम से साढ़े पांच सौ से अधिक दिव्यांगजनों को प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनियों और औद्योगिक संस्थानों में नौकरी मिल सकेगी। इस विशेष प्लेसमेंट कैम्प के माध्यम से टेक महिन्द्र कंपनी, रियल इस्पात एण्ड पावर लिमिटेड, शांता टेक्नो प्राइवेट लिमिटेड, अलंकार एलॉय प्राइवेट लिमिटेड, सफायर ट्रेड विंग्स प्राइवेट लिमिटेड, टच स्टोन टैली सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड और बालाजी डिस्ट्रीब्यूटर्स द्वारा दिव्यांगजनों की भर्ती की जाएगी। दिव्यांगजनों को इन कंपनियों में कम्प्यूटर ऑपरेटर, कस्टमर केयर एक्जीक्यूटिव, नर्सिंग स्टॉफ़ डाटा एंट्री ऑपरेटर, सुपरवाईजर, कलर्क जैसे पदों पर चयन का अवसर मिलेगा। 18 से 35 साल की उम्र और दसवीं कक्षा से स्नातक उतीर्ण दिव्यांगजन इस प्लेसमेंट कैम्प में शामिल हो सकते है। कार्य क्षेत्र रायपुर एवं भिलाई रहेगा। चयनित अभ्यर्थियों को 12 से 15 हजार रूपये प्रतिमाह वेतन मिल सकेगा। प्लेसमेंट कैम्प की आयोजक उप संचालक रोजगार श्रीमती शशि अतुलकर ने बताया कि इस प्लेसमेंट कैम्प में केवल दिव्यांग अभ्यर्थी ही शामिल हो सकेंगे। शिविर में आवेदकों को जिला रोजगार पंजीयन कार्ड, शैक्षणिक दस्तावेज, जाति प्रमाण पत्र और पासपोर्ट आकार के दो फोटो भी लेकर आना होगा।

### उर्वरक एवं कीटनाशक विक्रय परिसरों का औचक निरीक्षण किया गया

**रायपुर।** कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे के निर्देशानुसार जिले के समस्त उर्वरक / कीटनाशी निरीक्षकों के द्वारा कीटनाशी / उर्वरक विक्रय परिसरों का निरीक्षण किया जा रहा है। उर्वरक निरीक्षकों द्वारा खरीफ फसलों के लिए खाद की कमी ना हो इसको ध्यान में रखते हुए उर्वरक का व्यवसाय कर रहे थोक खुदरा विक्रेता एवं सेवा सहकारी समितियों में पीओएस मशीन स्टॉक एवं भौतिक स्टॉक का सत्यापन किया जा रहा है। सातग ही अमानक उर्वरक एवं कीटनाशक औषधियों का विक्रय पर रोक लगाने के लिए निरंतर कार्यवाही की जा रही है। कृषि विभाग के उप संचालक ने बताया कि डीएच खाद भण्डार पारागांव, आरंग, मां अंबे कृषि संसार तिल्दा का निरीक्षण द्य किया गया, जिसमें कीटनाशी अधिनियम 1968 एवं 1971 तथा उर्वरक गुण नियंत्रण 1985 के खण्ड 5 और 35 (1) के तहत कारण बताओ नोटिस दिया गया। हर्ष कृषि केन्द्र सिलयारी धरसीवा कीटनाशी अधिनियम 1968 एवं 1971 के तहत कारण बताओ नोटिस दिया गया।

### रियल इस्टेट सेक्टर को मंदी से उबारने अनुकूल निर्णयों के लिए क्रेडाई ने मुख्यमंत्री का किया सम्मान

# लोगों के हाथ में लगातार पैसा जाने से छत्तीसगढ़ में हर सेक्टर में आया उछाल : भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** मुख्यमंत्री क्रेडाई द्वारा 'बढ़ता हुआ छत्तीसगढ़' थीम पर आयोजित स्टेटकॉन-2023 में हुए शामिलमुख्यमंत्री क्रेडाई द्वारा 'बढ़ता हुआ छत्तीसगढ़' थीम पर आयोजित स्टेटकॉन-2023 में हुए शामिलमुख्यमंत्री क्रेडाई द्वारा 'बढ़ता हुआ छत्तीसगढ़' थीम पर आयोजित स्टेटकॉन-2023 में हुए शामिलमुख्यमंत्री क्रेडाई द्वारा 'बढ़ता हुआ छत्तीसगढ़' थीम पर आयोजित स्टेटकॉन-2023 में हुए शामिल। रियल इस्टेट सेक्टर को मंदी से उबारने तथा लोगों के लिए घर एवं भूखंड की खरीदी को सुगम बनाने राज्य शासन द्वारा लिए गए फैसलों के लिए क्रेडाई ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का सम्मान किया है। क्रेडाई छत्तीसगढ़ द्वारा आज नवा रायपुर में 'बढ़ता हुआ छत्तीसगढ़' की थीम पर आयोजित स्टेटकॉन-2023 में मुख्यमंत्री श्री बघेल को सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में क्रेडाई छत्तीसगढ एप को लांच किया। उन्होंने भिलाई, दुर्ग एवं बिलासपुर में क्रेडाई के यूथ विंग का इन्सटॉलेशन भी किया। आवास एवं पर्यावरण मंत्री मोहम्मद अकबर भी स्टेटकॉन-2023 में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्टेटकॉन-2023 को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने सचेत रहकर लोगों के हित के लिए लगातार व्यावहारिक फैसले लिए हैं। राज्य शासन ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्रदेशवासियों की जेब में एक लाख 60 हजार करोड़ रूपए डाले हैं।

लोगों के हाथ में पैसा रहने से यहां हर सेक्टर में उछाल आया है। कोरोना काल में लॉक-डाउन के बाद पूरे देश में

छत्तीसगढ़ में सबसे पहले उद्योगों और कारखानों में काम दोबारा प्रारंभ हुए। उन्होंने कहा कि कोरोना काल की कठिन हालातों के बीच भी राजीव गांधी किसान न्याय योजना के माध्यम से किसानों तथा मनरेगा के जरिए श्रमिकों को राशि उपलब्ध कराई गई। दूसरे राज्यों की तरह यहां शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों के वेतन में कोई कटौती नहीं की गई, उनके हाथों में पूरा वेतन गया। इस तरह हर वर्ग के लोगों के पास पैसे रहने से हर सेक्टर में व्यवसाय-व्यापार में बढ़ोतरी हुई। रियल स्टेट सेक्टर को भी इसका फायदा मिला।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि जमीन की गाइडलाइन दरों में 30 प्रतिशत की कटौती से भूखंडों की खरीदी-ब्रिकी में तेजी आई। ज्यादा रजिस्ट्री होने से शासन का राजस्व बढ़ा। छोटे भूखंडों की रजिस्ट्री से प्रतिबंध हटाने और गाइडलाइन दरों में कमी से इससे मिलने वाला राजस्व 1100 करोड़ रुपए से बढ़कर 1500 करोड़ रुपए हो गया।

उन्होंने कहा कि रियल इस्टेट भारत की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा रहा है। नोटबंदी, कोरोना महामारी और लॉक-डाउन के कारण इस क्षेत्र में मंदी आ गई थी। छत्तीसगढ़ सरकार ने इस सेक्टर को मंदी से उबारने और लोगों को राहत देने के लिए अनुकूल फैसले लिए। जल्दी ही रियल स्टेट सेक्टर मंदी को पीछे छोड़ते हुए सरपट दौड़ने लगा। उन्होंने कहा कि रायपुर में एयरो सिटी और व्हील-सेल कॉरिडोर का काम जल्दी शुरू होगा जिससे यहां के व्यापार व व्यवसाय को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में क्रेडाई की मांग पर प्रदेश में अब रेरा अधिनियमों के प्रभावी होने पर कॉलोनाइजर लाइसेंस की जरुरत का परीक्षण कराने की बात कही। उन्होंने नगरीय क्षेत्रों की तरह ग्रामीण क्षेत्रों के लिए भी रियल इस्टेट के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने के संबंध में भी परीक्षण की बात कही।

स्टेटकॉन-2023 को संबोधित करते हुए आवास एवं पर्यावरण मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि प्रकृति ने छत्तीसगढ़ को बहुत कुछ दिया है। कोयला, लोहा, बॉक्साइट जैसे खनिज हैं, प्रचुर वन संपदा है, उपजाऊ भूमि है, पर्याप्त जल है, सस्ती बिजली है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में हम लगातार आगे बढ़ रहे हैं। राज्य में रियल इस्टेट सेक्टर को गति देने के लिए इसके अनुकूल निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने क्रेडाई से कम आय वाले लोगों के लिए भी आवास का सपना पूरा करने के लिए पहल करने को कहा।

क्रेडाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज गौर ने कार्यक्रम में रियल स्टेट सेक्टर के अनुकूल फैसलों के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यहां कॉलोनाइजर्स और डेवलपर्स के लिए शुरू सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम से इससे संबंधित कार्यवाहियों में तेजी आई है और काम सुगमता से होने लगे हैं। क्रेडाई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष संजय रहेजा ने कहा कि हम लोग रियल इस्टेट क्षेत्र की परेशानियों को लेकर जब-जब मुख्यमंत्री के पास गए हैं, उनसे भरपूर सहयोग मिला है।

उनकी पहल पर राज्य शासन द्वारा लिए गए फैसलों से इस क्षेत्र में अभूतपूर्व तेजी आई है। रियल स्टेट, ऊर्जा, वनोपज और कृषि सहित कई क्षेत्रों में राज्य ने नई ऊंचाई पिछले तीन-चार वर्षों में हासिल की है। क्रेडाई के राष्ट्रीय सचिव जी. राम रेड्डी, एक्जिक्युटिव कमेटी के सदस्य शांतिलाल कटारिया, नेशनल सेन्ट्रल जोन के उपाध्यक्ष आनंद सिंघानिया और क्रेडाई छत्तीसगढ़ के सचिव पंकज लाहोटी सहित क्रेडाई के राष्ट्रीय और छत्तीसगढ़ इकाई के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य स्टेटकॉन-2023 में मौजूद थे।

## मतदान का महत्व समझने से होगी शत-प्रतिशत वोटिंगः कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर और ज़िला निर्वाचन अधिकारी डॉ सर्वेश्वर भुरे की अध्यक्षता में आज रायपुर ज़िले की स्वीप समिति की बैठक कलेक्टोरेट सभागार में हुई। बैठक में आगामी विधानसभा निर्वाचन के दौरान रायपुर ज़िले में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने और सभी मतदाताओं को वोट देने के लिए जागरूक करने पर चर्चा हुई । बैठक में कलेक्टर ने सभी वर्ग के मतदाताओं को वोट देने के लिए प्रेरित करने विशेष जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए।

डॉ भुरे ने इस अभियान के दौरान केवल मतदान के तरीक़े ही नहीं बल्कि मतदान का महत्व, मतदान केंद्रों पर सुविधायें, ईवीएम मशीनों का प्रदर्शन कर लोगो को विस्तार से जानकारी देने के निर्देश दिये। अब आगामी विधानसभा निर्वाचन पर जिले में मतदाता जागरूकता अभियान लगातार जारी रहेगा। ज़िला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदाताओं को उनके वोट का महत्व समझाने और सरल तरीक़े से वोट देने की जानकारी देने से ही ज़िले में मतदान बढ़ेगा। उन्होंने पिछले निर्वाचन में कम मतदान वाले एरिया की पहचान कर वहाँ गहन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। ज़िला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने और संशोधन का काम निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के भी निर्देश दिये ताकि मतदाताओं को समय पर जानकारी मिल सकें और मतदाता वोट डालने के लिए मानसिक रूप से ख़ुद को पहले से ही तैयार कर सकें। इस बैठक में नगर निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी, स्वीप के नोडल अधिकारी और ज़िला पंचायत सी ई ओ अविनाश मिश्रा सहित सभी रिटर्निंग ऑफ़िसर और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में ज़िला निर्वाचन अधिकारी ने अधिक से अधिक युवा मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करने और स्कूल-कालेजों, सार्वजनिक स्थलों पर मतदाता प्रेरक कार्यक्रमों के आयोजन के भी निर्देश दिए। डॉ भुरे ने सभी मतदाता वर्गों जैसे महिला, पुरुष, ट्रांसजेंडर, युवाओं, दिव्यांगों, वरिष्ठ नागरिकों- बुजुर्गों, नव विवाहित बहुओं , कारखानों में काम करने वाले श्रमिकों से लेकर पत्रकारों और सरकारी सेवारत लोगों के लिए अलग अलग प्रेरक कार्यक्रम करने पर जोर दिया। डॉ भुरे ने इन कार्यक्रमों में नवाचार को भी शामिल करने और उत्कृष्ट प्रदर्शन वाले लोगों-संस्थाओं को पुरस्कृत करने को भी कहा।

बैठक में मतदाताओं का जागरूक करने के लिए स्कूल-कॉलेजों में मतदान के महत्व को समझाने हेतु रंगोली, नारा लेखन, वाद-विवाद, निबंध, प्रमुख चौराहे, बस स्टैंड पर पोस्टर, होर्डिंग, नाटक, मानव श्रृंखला का निर्माण, सेल्फी जोन का निर्माण, स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा स्लोगन जैसे अन्य आवश्यक कार्यक्रम का आयोजन कर मतदान के महत्व की बारे में जानकारी देने के निर्देश दिए गए। प्रेरक कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को मतदान की विभिन्न प्रारूप, मतदान करने की सही उम्र एवं योग्यता एवं मतदान का प्रतिशत बढ़ाने में युवा वर्ग की सहभागिता के संबंध में विस्तार से बताने के भी निर्देश कलेक्टर ने दिए।

## जिले में मतदाताओं को किया जा रहा जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

**महासमुंद।** महासमुंद ज़िले में आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2023 को ध्यान में रखते हुए सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम, (स्वीप) चलाया जा रहा है। यह मतदाता शिक्षा, मतदाता जागरूकता का प्रचार-प्रसार करने एवं मतदाता की जानकारी बढ़ाने के लिए एक प्रमुख कार्यक्रम है। स्वीप गतिविधियां संचालित कर शत प्रतिशत मतदान हो यह सुनिश्चित किया जा रहा है।

ज़िले के नवाडीह खुर्द में खेतों की निदाई करने वाले मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान हेतु नोडल अधिकारी श्रीमती बद्रिका ध्रुव के द्वारा प्रेरित किया गया एवं मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की जानकारी दी।

उन्हें मतदान की शपथ दिलायी गयी और शत् - प्रतिशत मतदाताओं को मतदान करने प्रेरित किया गया। वही बकरी चराने वाले श्री पानसिंग एवं धनेश्वर को मतदाता जागरूकता शपथ एवं धनेश्वर जिनकी उम्र 20 वर्ष हो गयी है, उनका मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के बीएलओ के पास फार्म भरकर जमा करने के लिए नोडल अधिकारी द्वारा बताया गया।

## हाथों में जलाभिषेक का जल थामे कांवड़ लेकर मुख्यमंत्री बघेल ने किया दिव्य कांवड़ यात्रा का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्रावण सोमवार पर पूरा प्रदेश शिव भक्ति के रंग में सराबोर रहा। राजधानी में भी शिवभक्ति की गूंज जगह-जगह सुनाई देती रही। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गुढ़ियारी में मारुति मंगल में दिव्य कांवड़ यात्रा में हिस्सा लिया। पारंपरिक अनुष्ठान तथा पूजा पाठ करने के पश्चात मुख्यमंत्री शिव भक्तों के साथ बैठे। पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ शिव जी के भजनों के उद्घोष से पूरा परिसर गूंज उठा।

इस मौके पर लोकसभा सांसद दीपक बैज, संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, नगर निगम अध्यक्ष प्रमोद दुबे भी मौजूद रहे। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने अपने हाथों में जलाभिषेक का जल लिया और कांवड़ को अपने हाथों में लिया। पूरा परिसर ऊँ नमः शिवाय के नारों से गूंजता रहा। मुख्यमंत्री ने पारंपरिक वाद्ययंत्रों को थाप देकर भजनगायकों का उत्साह बढ़ाया। इस मौके पर कांवड़ यात्रियों से चर्चा में मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रावण मास शिव जी का महीना है। शिव जी को आशुतोष भी कहते हैं। शिव जी बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रावण सोमवार का दिन बहुत शुभ होता है। हम सब अपने आराध्य देवता को प्रसन्न करने जुटते हैं।

लंबी कांवड़ यात्रा में जुटते हैं। प्रदेश में और देश भर में लोग दूर दूर से कांवड़ लेकर शिव जी पर जलाभिषेक करते हैं। यह अनुभव बहुत दिव्य होता है। आज गुढ़ियारी से जो कांवड़ यात्रा निकाली गई है वो दिव्य ही है इसलिए इसका नाम भी दिव्य कांवड़ यात्रा रखा गया है। मुख्यमंत्री ने दूर दूर से कांवड़ यात्रा में जुटे शिव भक्तों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह शुभ दिन आप सभी के जीवन में मंगल लेकर आये। आयोजकों ने बताया कि कांवड़ यात्रा का समापन महादेवघाट स्थित हटकेश्वर महादेव में जलाभिषेक कर किया जाएगा।

## बैगा आदिवासी महिलाओं ने उप मुख्यमंत्री सिंहदेव की रसोई में पहुंचकर बनाया कांग खीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव से मिलने उनके रायपुर निवास आईं पंडरिया की बैगा आदिवासी महिलाओं ने उनकी रसोई में पहुंचकर कांग खीर बनाई। उप मुख्यमंत्री श्री सिंहदेव को इसका स्वाद इतना भाया कि उन्होंने इसे दोबारा खाने की इच्छा जताई और खीर बनाने वाली महिलाओं से आग्रह किया कि जब वे दौरे पर उनके गांव आएंगे तो उनके लिए फिर यही खीर बनाएं।

पंडरिया विकासखंड के ग्राम झूमर, तिलगट्टा और छिन्दीडीह पहाड़ी क्षेत्र की बैगा आदिवासी महिलाएं रमली बाई, कलीबाई, धनिया बाई, रामबाई, सुकरतिन बाई और बैसखिया बाई कई लोगों के साथ श्री सिंहदेव से विभिन्न

मुद्दों पर चर्चा के लिए आज रायपुर आई थीं। चर्चा के दौरान कांग खीर की बात निकलने पर श्री सिंहदेव ने बैगा महिलाओं से अपनी रसोई में ही इसे बनाने का आग्रह किया। उनके आग्रह पर इन महिलाओं ने रसोई में जाकर तुरंत खीर बनाई और श्री सिंहदेव तथा वहां मौजूद अन्य लोगों को इसका रसास्वाद कराया।


नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

# अपनी मूल जरूरतों को समझिए

**मनुष्य होने के नाते हमारी अपने और अपनों के प्रति कुछ जिम्मेदारियां होती हैं। पर, जिम्मेदारियों को पूरा करने के साथ खुश रहना भी जरूरी है। हमारी कुछ मूलभूत जरूरतें हैं, जिन्हें पूरा किया जाना जरूरी है। ये वे बातें हैं, जो आपको समझनी होंगी, दुनिया आपको नहीं समझाएगी।**

मनुष्य होने के नाते हम सभी को दूसरे इनसानों के साथ संपर्क स्थापित करने की आवश्यकता पड़ती है। संपर्क की यह जरूरत न केवल अपने प्रियजनों के साथ और सामाजिक स्तर पर होती है, बल्कि हमें स्वयं के साथ भी एक संबंध स्थापित करना होता है। जुड़ाव की यह हुड़क हम सभी के भीतर होती है। हालांकि, बड़े स्तर पर देखने पर लगता है कि विश्व हमारी इन जरूरतों को पूरा करने में हमारी सहायता करता है लेकिन वो हमें एक-दूसरे के ऊपर निर्भर बनाकर कई बार असहाय भी बना देता है।।

### परस्पर जुड़ाव का भाव कभी भी स्वयं को स्वीकारने के स्तर से ऊंचा नहीं हो सकता। -ब्रेन ब्राउन

यदि आप लोगों से और इस दुनिया से दोबारा जुड़ना चाहते हैं तो सबसे पहले असली और नकली में अंतर करना सीखना होगा। आपको एक हाड़-मांस और सभी संवेदनाओं से युक्त एक असली मनुष्य और इंटरनेट पर मौजूद आभासी व्यक्ति के बीच फर्क करना सीखना होगा। सच्चे संबंध ऑनलाइन नहीं बल्कि असल जिंदगी में ही बन सकते हैं, लेकिन बहुत सारे लोग इस बात को भूल चुके हैं। इसलिए इंटनेट पर ढेरों आभासी मित्र होने के बावजूद वह अकेले और विरक्त हैं लेकिन इस भ्रम से बाहर आने की सख्त जरूरत है। इसके लिए सबसे पहले आपको स्वयं के साथ प्रेम और सम्मान के साथ पेश आना होगा। क्योंकि जब तक आप खुद के साथ नरमी नहीं बरतेंगे, तब तक अपने आप से और बाकि दुनिया से कटा हुआ महसूस करते रहेंगे।

### स्वायतत्ता का भाव

इनसान की एक अन्य सबसे बड़ी जरूरत यह महसूस करना है कि उसके जीवन का नियंत्रण उसी के हाथों में है। लेकिन ऐसा महसूस करने के लिए सबसे पहले अपनी ऊर्जा उन स्थानों पर व्यर्थ करना बंद करें, जहां जरूरत नहीं है। बेशक यह आसान नहीं हैं, लेकिन अपने दिमाग में मच रहे शोर को शांत करने के लिए बिना उत्तेजित हुए उस घड़ी में ही मौजूद रहें। चाहें तो प्रकृति के नजदीक समय बिताएं, ध्यान लगाएं या कोई किताब पढ़ें। ऐसा करने से आप चीजों को उनके मूल रूप में देखना सीख जाएंगे और तब कोई भी चीज आपकी मानसिक शांति को भंग नहीं कर पाएगी। अपने चारों ओर हो रही घटनाओं को आप नहीं रोक सकते, लेकिन अपने दिमाग को नियंत्रण में जरूर रख सकते हैं। याद रखिए, आप किसी के गुलाम नहीं हैं। आपको अपमानित करने या पीड़ा पहुंचाने का अधिकार किसी को नहीं है।

### उद्देश्य जानने की चाह

इस बात को समझना बहुत जरूरी है कि आपके जीवन का उद्देश्य क्या है। स्वयं को किसी बड़े और महत्वपूर्ण उद्देश्य का अंग समझने से जीवन का मार्ग स्पष्ट होने लगता है। क्योंकि जब लोग अपने जीवन का मंतव्य समझ नहीं पाते तो वह उलझ जाते हैं, जिसका प्रभाव उनकी शारीरिक और मानसिक सेहत पर पड़ने लगता है। इसलिए अपने जीवन का लक्ष्य हम सभी को पता होना चाहिए। पर इसे जानने के लिए आपको कहीं कुछ तलाशने की जरूरत नहीं क्योंकि वह उद्देश्य आपके भीतर ही है। बस अपनी आंखें बंद करके अपने अंतर्मन को टटोलिए, आपको समझ आ जाएगा कि जीवन में किस मूल भाव की कमी है और वही हासिल करना आपका उद्देश्य होगा। दूसरों के साथ जुड़ने की या संपर्क कायम करने की जरूरत इनसान की कुछ सबसे महत्वपूर्ण जरूरतों में से एक है। ऐसा समाज जहां एक-दूसरे की परवाह करना जरूरी न समझा जाए एक ऐसा स्थान है, जहां मानवता का मूल भाव नजरअंदाज किया जा रहा है।

www.purposefairy.com

### दक्षता हासिल करने की जरूरत

जब आप अपने काम में महारत हासिल कर लेते हैं तो संतुष्टि और खुशी का भाव अपने आप आ जाता है। यानी जो काम आपको सौंपा जाए, उसे इतने बेहतर तरीके से पूरा किया जाए कि लोग आपके हुनर के कायल होने लगें। इसका अर्थ यह है कि दक्षता हासिल करना कुछ चुनिंदा लोगों का अधिकार नहीं है बल्कि यह हक आपके पास जन्म से होना चाहिए। पूरी दुनिया में लोग दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, पर दक्षता न होने पर कभी उस काम से संतुष्ट नही हो पाते। इसलिए काम चाहे जो भी करें, उसमें आपकी महारत अवश्य होनी चाहिए।

### आत्मसम्मान है आवश्यक

स्वयं का सम्मान करने के लिए कुछ हासिल करने या दूसरों से स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होती। आप कौन हैं, कहां से आए हैं और कहां जाएंगे, इन बातों का आपके महत्त्वपूर्ण होने पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। क्योंकि एक इनसान के रूप में आपकी पहचान आपका अंतर्मन है, न कि ये तर्क कि आप अपने जीवन में कितने सफल हैं। इसलिए दुनिया के बेतुके चलन से प्रभावित होना ही नहीं चाहिए क्योंकि उससे आपके अंतर्मन को कुछ हासिल नहीं होगा। भेड़चाल में चलने से सिर्फ खोखली संतुष्टि मिलती है, जो आपके भीतर के डर और घबराहट को पोषित करती है।

### भरोसे की जरूरत

खुद पर भरोसा करना और दूसरों का भरोसा अर्जित करना जीवन में बेहद महत्त्वपूर्ण है। जब आपके साथ विश्वासघात करने वाले लोग आपके जीवन से दूर चले जाते हैं तो आप स्वत दुनिया पर भरोसा करना सीख जाते हैं। ऐसा हो जाने पर जिंदगी बेहद खुशनुमा लगने लगती है और मन उमंगों, खुशियों और उम्मीदों से सराबोर रहने लगता है। तब खुशियों के पीछे भागने की जरूरत नहीं पड़ती। यह कोरी कल्पना नहीं है, क्योंकि जब आपको भरोसा मिल जाता है तो यह सब वास्तव में महसूस होने लगता है। इसके लिए सबसे पहले खुद पर भरोसा स्थापित करना सीखें और स्वयं के साथ संबंधों को सुधारें। जब आप बाहरी हलचल से ध्यान हटकर अपने ऊपर लगाने लगते हैं तो विश्वास की डोर खुद-ब-खुद मजबूत होने लगती है।

## इमोशनल रोल से खुद को दूर रखना चाहती हैं जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर ने बवाल में वरुण धवन के साथ जबरदस्त परफॉर्मेंस दी. एक्ट्रेस ने धड़क में एक शानदार किरदार के साथ शुरुआत बॉलीवुड में डेब्यू किया. रोमांटिक किरदारों के अलावा, जान्हवी ने मिली, गुंजन सक्सेना और कई अन्य फिल्मों में काम किया है. जान्हवी ने यादगार परफॉर्मेंस देकर खुद को एक सशक्त एक्ट्रेस के रूप में स्थापित किया है. बवाल एक्ट्रेस ने अब अपने करियर में आगे चलकर कॉमेडी करने और ग्लैमरस रोल प्ले करने का फैसला किया है.

जान्हवी ने धड़क में अपने प्रदर्शन के बाद ग्लैमरस भूमिकाएं चुनने की उम्मीदों को खारिज कर दिया है. उनका मानना है कि इस तरह की भूमिकाएं लोकप्रियता हासिल करने और अभिनेताओं की पहुंच बढ़ाने के लिए काफी शक्तिशाली होती हैं. उन्होंने कहा, वे भूमिकाएं बहुत संतोषजनक हैं. लेकिन अब मैं उन कहानियों को बताने से थोड़ा संतृप्त महसूस करता हूं जिनमें इतना दर्द और उथल-पुथल शामिल है.

एक एक्ट्रेस के रूप में खुद को तलाशने और अपनी टैलेंट को परखने के लिए वह चैलेंजिग रोल प्ले करना चाहती हैं. पारंपरिक और ग्लैमरस भूमिकाएं चुनने के बारे में, जान्हवी ने कहा, मैं स्क्रीन पर अच्छी दिखना चाहती हूं और थोड़ा डांस करना चाहती हूं क्योंकि इस यात्रा के दौरान कहीं न कहीं, मैं भूल गई कि जो स्वाभाविक रूप से मेरे लिए सबसे अधिक आता है. इसलिए, मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि मैं कुछ समय के लिए अपनी नेचुरल अवस्था में वापस जाऊं. जान्हवी ने बवाल में अपने अलग किरदार से अपने फैंस और फॉलोअर्स को काफी प्रभावित किया था. वरुण धवन के साथ स्क्रीन साझा करने के बाद, एक्ट्रेस ने एक कैमियो से अपने फैंस को आश्चर्यचकित कर दिया. जान्हवी ने रणवीर सिंह के साथ रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के एक गाने में ठुमके लगाए. वह मिस्टर एंड मिसेज माही में राजकुमार राव के साथ एक्टिंग करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. यह फिल्म 24 मार्च, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

# महिलाएं अपने वर्कआउट रूटीन में शामिल करें ये 5 पुश-अप्स, मिलेगें कई फायदे

कई महिलाओं को लगता है कि पुश-अप्स सिर्फ पुरुष ही कर सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है।पुश-अप्स हर कोई कर सकता है और यह पूरे शरीर को मजबूती दे सकते हैं।सही अभ्यास के साथ महिलाएं पुरुषों की तरह आसानी से पुश-अप्स कर सकती हैं।आप आसान संस्करणों से शुरुआत कर सकती हैं और धीरे-धीरे पुश-अप के स्तर को आगे बढ़ा सकती हैं।आइए आज हम आपको 5 तरह की पुश-अप्स एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं।

- ***वॉल पुश-अप्स :-*** सबसे पहले एक दीवार के सामने 2 फुट की दूरी पर खड़े हो जाएं।अब दोनों हाथों को दीवार पर कंधों की चौड़ाई बराबर दूरी पर रखें और उंगलियों की दिशा ऊपर की ओर होनी चाहिए।इसके बाद आप दीवार के सहारे पुश-अप्स करें और फिर कुछ सेकेंड के बाद आप अपनी प्रारंभिक स्थिति में आ जाएं। इस क्रिया को बार-बार दोहराएं।एक्सरसाइज के आपको 20 रेप्स के 2-4 सेट्स करने चाहिए।
- ***रेगुलर पुश-अप्स :-*** इसके लिए पहले जमीन पर पेट के बल लेट जाएं, फिर गर्दन को सीधा रखें और हथेलियों को कंधों के नीचे रखें।इस दौरान पंजे जमीन से सटे हुए हों। अब हाथों पर जोर डालते हुए शरीर को धीरे-धीरे ऊपर-नीचे करें, लेकिन ध्यान रखें कि शरीर को नीचे लाते समय छाती जमीन से छूनी चाहिए।इसके बाद अपने हाथों को सीधा करें और 10 सेकंड इसी अवस्था में रहें, फिर वापस धीरे-धीरे नीचे आकर सामान्य हो जाएं।
- ***डिक्लाइन पुश-अप्स :-*** इस प्रकार के लिए आपको टेबल या फिर सीढ़ियों का सहारा लेना होगा।इसके लिए सबसे पहले हाथों को कंधे की सीध में जमीन पर रखकर पैरों को टेबल या सीढ़ी के ऊपर रखें।इसके बाद आराम-आराम से अपने शरीर को नीचे की ओर लाएं और छाती को जमीन से लगाने का प्रयास करें, फिर वापस से ऊपर की ओर ले जाएं।इस एक्सरसाइज को रोजाना 5 बार दोहराएं।यहां जानिए पुश-अप्स से जुड़ी महत्वपूर्ण बातें।
- ***मॉडिफाइड पुश अप :-*** सबसे पहले हाथों को कंधे से थोड़ा नीचे की ओर रखें। साथ ही पैरों के बीच थोड़ी दूरी रखें और घुटने जमीन से लगे रहें।अब हाथों पर जोर डालते हुए शरीर को धीरे-धीरे ऊपर-नीचे करें और शरीर को तब तक नीचे ले जाएं जब तक कि आपकी छाती जमीन को न छूने लगे।इसके बाद शरीर को वापस ऊपर की ओर धकेलें। इस प्रक्रिया को लगभग 5 मिनट तक लगातार दोहराएं।
- ***वाइड पुश-अप्स :-*** इसके लिए सबसे पहले रेगुलर पुश-अप्स की अवस्था में आ जाए, लेकिन इस दौरान हाथों को कंधे से थोड़ी दूरी पर रखें।इसके बाद शरीर को आराम-आराम से नीचे की ओर लेकर आएं जब तक कि छाती जमीन से न लग जाए।इसी तरह शरीर को हाथों के बल धीरे-धीरे ऊपर की ओर उठाएं और वाइड पुश-अप्स की इस प्रक्रिया को रोजाना 5 मिनट तक दोहराएं।अगर पुश-अप्स नहीं पसंद तो अपने दिनचर्या में पुल-अप्स को शामिल करें।

**मनुष्य का पूरा जीवन ही यात्रामय होता है। हम प्राय दूसरों के दिखाए रास्तों पर ही चलते हैं, जिन पर हमसे पहले यात्रा की जा चुकी होती है। लेकिन जब मनुष्य अंतर्मन की यात्रा करता है, तब यहां कोई पदचिह्न नहीं होते। यह यात्रा उसे आसक्ति से मुक्त करती है। आसक्ति से मुक्ति ही अंतर्मन की यात्रा का ध्येय होता है**

# आसक्ति से मुक्त करती है अंतर्मन की यात्रा

अध्यात्म



आचार्य महाप्रज्ञ

आज हमने यात्रा प्रारंभ की है। यात्रा के लिए हमने एक मार्ग चुना है। मार्ग पर हर कोई चलता है। हम भी चलते थे और चल रहे हैं। हर मार्ग पर पदचिह्न होते हैं। किंतु आज हमने एक ऐसा मार्ग चुना है, जिसमें कोई पदचिह्न नहीं है। पदचिह्न होने का अर्थ है— अनुसरण होना। जहां अनुसरण नहीं होता, वहां कोई पदचिह्न भी नहीं होता। हमारा मार्ग बिना पदचिह्न का मार्ग है। इसमें कोई किसी का अनुसरण नहीं करता।

एक चिंतन आता है और उसका संस्कार बन जाता है। एक प्रवृत्ति होती है और उसका संस्कार बन जाता है। एक शब्द आता है और उसका संस्कार बन जाता है। चिंतन चला जाता है, प्रवृत्ति चली जाती है, शब्द चला जाता है, है, पीछे कुछ भी शेष नहीं छोड़ता। ऐसा मार्ग ही उत्तम होता है। हमने भी ऐसा ही मार्ग चुना है, जहां कोई पदचिह्न नहीं, कोई अनुसरण नहीं, कुछ भी शेष नहीं, कोई संस्कार नहीं। जैसे आया वैसे गया। न स्मृति और न संस्कार।

**जो विरल होता है, जिसे मार्ग का कोई मोह नहीं रहता, उसके कोई पदचिह्न नहीं होते। मार्ग चलने के लिए होता है, आसक्ति के लिए नहीं होता, मोह करने के लिए नहीं होता।**

किंतु वे अपने पीछे चिह्न छोड़ जाते हैं। जो छोड़ा जाता है, उसकी आवृत्तियां होती रहती हैं। संस्कार शेष रह जाते हैं।

किंतु हमने ऐसे मार्ग पर यात्रा शुरू की है, जिसमें कोई अनुसरण नहीं है, पदचिह्न नहीं है। जब चलने वाला अपने मार्ग से आसक्त हो जाता है, तब पदचिह्न शेष रह जाते हैं। किंतु जो विरत होता है, जिसे मार्ग का कोई मोह नहीं रहता, उसके कोई पदचिह्न नहीं होते। मार्ग चलने के लिए होता है,आसक्ति के लिए नहीं होता, मोह करने के लिए नहीं होता। जो चलता है, वह चला जाता है। जो आता है, वह जाता

हमने इस मार्ग पर चलने के लिए 'दर्शन' का संकल्प लिया है। हम देखें। आत्मा के द्वारा आत्मा को देखें। बहुत विचित्र-सा लगता है। कौन देखे? किसे देखे? बहुत बड़ा प्रश्न है। किंतु जब हमारी देखने वाली चेतना, द्रष्टा चेतना खंडित होती है, तब उसके दो खंड हो जाते हैं— एक देखने वाली चेतना और एक दृश्य।

श्वास को देखो। मन को देखो। शरीर को देखो। विचार को देखो। आभामंडल को देखो। प्राण को देखो। आप जानना चाहेंगे कि क्या श्वास आत्मा है? क्या शरीर आत्मा है? क्या मन आत्मा है? क्या आभामंडल आत्मा है? क्या प्राण आत्मा है? कुछ चिंतन करेंगे तो पता चलेगा कि श्वास आत्मा है। शरीर आत्मा है। मन आत्मा है। आभामंडल आत्मा है। कोई अंतर नहीं रहेगा। यदि शरीर आत्मा न हो तो जीवित शरीर और मृत शरीर में कोई अंतर नहीं रहेगा। यदि मन आत्मा न हो तो मन सहित और मन रहित में कोई अंतर नहीं रहेगा। ये सब आत्मा है। आत्मा को देखने का पहला द्वार है—प्रवास। भीतर की यात्रा का पहला द्वार है— श्वास। हम बाहर-ही-बाहर देखते हैं। मन बाहर की ओर दौड़ता है। जब भीतर की यात्रा शुरू करनी होती है, तब प्रथम प्रवेश द्वार श्वास से गुजरना होता है। जब श्वास के साथ मन भीतर जाने लगता है, तब अंतर्यात्रा शुरू होती है। श्वास आत्मा है, शरीर आत्मा है, मन आत्मा है। जहां तक हम पहुंचना चाहते हैं, वहां तक इनके द्वारा ही पहुंचा जा सकता है।

श्वास का स्पर्श किए बिना, श्वास को देखे बिना शरीर को ठीक तरह से नहीं समझ सकते, नहीं देख सकते। शरीर को देखे बिना मन को नहीं देख सकते। मन को देखे बिना आभामंडल को नहीं देख सकते। आभामंडल को देखे बिना प्राण को नहीं देख सकते और प्राण को देखे बिना उस चैतन्य तक नहीं पहुंच सकते, जहां हमें पहुंचना है। यह पूरा-का-पूरा यात्रा पथ है। यदि आत्मा तक पहुंचना है, सूक्ष्म तत्व तक पहुंचना है, अस्तित्व तक पहुंचना है तो इसी यात्रा पथ पर चलना होगा। इसी क्रम से चलना होगा।

आप यह मान लें कि उस परम सत्ता को, परम अस्तित्व को, चैतन्य को, जो अमूर्त है, सूक्ष्म है, हमारे चर्म-चक्षुओं का विषय नहीं है, उसे हम देख लें— यह कहना और ऐसा समझना बहुत बड़ी भ्रांति होगी ।

इसका पहला अर्थ है— मन के द्वारा श्वास के स्पंदनों को देखें। इसका दूसरा अर्थ है— मन के द्वारा शरीर के प्रकंपनों को, संवेदनों को देखें। इसका तीसरा अर्थ है—विचारों को देखें। इस स्थिति तक पहुंच जाने पर आभामंडल स्पष्ट हो जाता है। अंतर्मन की इस यात्रा से हम सब प्रकार की आसक्ति से मुक्त हो जाते हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-

9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir

BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.

रामा कोचिंग

135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां

उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

## खास खबर

### सघन मिशन इन्द्रधनुष अभियान 5.0 का शुभारंभ किया

**कवर्धा-रायपुर।** कलेक्टर जनमेजय महोबे ने आज मिशन इन्द्रधनुश अभियान का शुभारंभ शहरी स्वास्थ्य केन्द्र कवर्धा में बच्चों को ओपीव्ही पिला कर किया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी संदीप अग्रवाल और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ महेश सूर्यवंशी, सलिल मिश्रा जिला टीकाकरण अधिकारी, डीपीएम सृष्टि शर्मा उपस्थित थे। कलेक्टर महोबे ने कहा कि इस अभियान के तहत सभी बच्चों को टीकाकृत किया जाएगा। उन्होंने स्वास्थ्य अमलों को सक्रीयता के साथ कार्य करने निर्देशित किया। सीएमएचओ डॉ. महेश सूर्यवंशी ने बताया कि जिले में सघन मिशन इन्द्रधनुष अभियान 5.0 कल 21 अगस्त से प्रारंभ होगी । यह अभियान तीन चरणों में संचालित होगी। प्रथम चरण 21 से 26 अगस्त द्वितीय चरण 20 सितम्बर से 26 सितम्बर एवं तृतीय चरण 25 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। अभियान के दौरान उप स्वास्थ्य केन्द्रों, आंगनबाड़ी केन्द्रों में टीकाकरण सत्र आयोजित कर छूटे हुए बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को टीकाकृत किया जाएगा । अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी पालको को अपने बच्चों के टीकाकरण के लिए जागरूक होकर केन्द्र तक पहुंचकर टीकाकरण कराए। अपने बच्चे को बीमारियों से बचायेंगे, सब काम छोड़ पहले टीके लगवायेंगे अपने बच्चे का सम्पूर्ण टीकाकरण करायें, पाँच साल तक छूटे हर टीके लगवायें। स्वास्थ्य विभाग कबीरधाम के द्वारा वैक्सीन एवं लॉजिस्टिक पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही साथ आईईसी सामग्री, बेनर, पोस्टर, एवं प्रपत्र का वितरण कर दिया गया है। अभियान के दौरान 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों एवं गर्भवती माताओं जिनका नियमितो टीकाकरण कार्यक्रम अंतर्गत कोई भी टीका छूटा है उनका नियमानुसार टीकाकरण किया जावेगा। स्वास्थ्य अधिकारी ने सघन मिशन इन्द्रधनुष अभियान के दौरान आयोजित सत्रों में दी जाने वाली सेवाओं का लाभ लेने हेतु आव्हान किया है।

### कलेक्टर ने जनचौपाल में प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण के दिए निर्देश

**रायगढ़।** कलेक्टर तारन प्रकाश सिन्हा ने कलेक्टर कक्ष में आयोजित जन चौपाल में जन सामान्य की समस्याओं को मौके पर सुनते हुए प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता से निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को राशन, पेंशन, सहायक उपकरण सहित राजस्व तथा भू-अर्जन के प्रकरणों पर प्राथमिकता से कार्यवाही के निर्देश दिए। ग्राम-साजापाली के ग्रामीण राशन प्राप्त नहीं होने के संबंध में शिकायत आवेदन लेकर जनचौपाल में पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालक द्वारा राशन सामग्री वितरण में बहुत ज्यादा अनियमितता बरती जा रही है। राशन लेने जाने पर संचालक का एकमात्र कहना है कि अभी राशन नहीं आया है जब आयेगा तो मिलेगा। ऐसे करते-करते तीन से चार माह बीत गया। प्रतिमाह राशन नहीं मिलने के कारण हम सभी को जीवन-यापन में बहुत कठिनाईयां हो रही है। कलेक्टर श्री सिन्हा ने उक्त आवेदन पर खाद्य अधिकारी को तत्काल जांच कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मौहापाली निवासी श्री बाबूलाल अधिग्रहित भूमि मुआवजा के संबंध में आवेदन लेकर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि एसईसीएल छाल क्षेत्र द्वारा उनकी भूमि को अधिग्रहित किया गया है। जिसका मुआवजा आज पर्यन्त तक अप्राप्त है। उन्होंने मुआवजा राशि भुगतान के संबंध में निवेदन किया। कलेक्टर श्री सिन्हा ने आवेदन पर आवश्यक कार्यवाही हेतु अपर कलेक्टर को निर्देशित किया। बिना मान्यता कम्प्यूटर सेंटर संचालित किए जाने के संबंध में जांच हेतु लैलूंगा पोटे बिरनी निवासी जदुमनी गुप्ता आवेदन लेकर आये थे। उन्होंने कलेक्टर को बताया कि लैलूंगा में हाईटेक कम्प्यूटर एजुकेशन के संचालक कमलेश नायक द्वारा बिना मान्यता प्राप्त कम्प्यूटर एजुकेशन सेंटर का संचालन किया जा रहा है।

### स्कूली विद्यार्थियों ने किया अंजोरा ख रीपा भ्रमण

**दुर्ग।** ग्राम अंजोरा (ख) में 2 करोड़ की लागत से स्थापित महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क का स्कूली विद्यार्थियों ने भ्रमण किया। ज्ञातव्य है की छत्तीसगढ़ शासन की महत्वकांक्षी योजना रीपा अंतर्गत ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृण करने, नव युवकों को उद्यमशीलता से जोड़कर उद्यमी बनाने व रोजगार प्रदाय करने की पहल करते हुए 2 अक्टूबर 2022 को योजना लागू की गई थी। प्रदेश में 301 रीपा स्थापित किए गए हैं ।दुर्ग जिले में ही 12 रीपा स्थापित हैं जिसमे विभिन्न गतिविधियां संचालित है। विद्यार्थियों को नवाचार व उद्यमशीलता से जोड़ने के लिए अंजोरा ख में स्थापित प्लास्टिक उद्योग में निर्माण हो रहे पेट जार बॉटल, दोनापत्तल ,बेकरी का भ्रमण कराकर आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। रीपा 11 लाख से ज्यादा का बॉटल,जार उत्पाद निर्मित होकर विक्रय किया जा चुका है, 20 से ज्यादा महिलाएं निर्माण कार्य संलग्न है।

### बजरंगबली अखाड़ा प्रोत्साहन योजना होगी शुरू

# नागपंचमी पर मलखंब, मल्लयुद्ध, कुश्ती खेलने की रही है प्राचीन परंपराः मुख्यमंत्री

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी में शंकर सेवा समिति द्वारा आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेशवासियों को नागपंचमी की बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस मौके पर राज्य में कुश्ती को बढ़ावा देने के लिए रायपुर में राज्य स्तरीय कुश्ती अकादमी खोलने की घोषणा की। इसके साथ उन्होंने खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए बजरंगबली अखाड़ा प्रोत्साहन योजना शुरू करने की भी घोषणा की।

**रायपुर में राज्य स्तरीय कुश्ती अकादमी खोलने की घोषणा**
**धोबीपछाड़, धाक और बैकसातो जैसे दांव-पेच से कुश्ती के धुरंधर हुए चित्त**

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कुश्ती प्रतियोगिता को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में नागपंचमी के अवसर पर मलखंब और कुश्ती प्रतियोगिता की प्राचीन परंपरा रही है। त्यौहार के अवसर पर ऐसे प्रतियोगिता आपसी भाईचारे और सौहार्द्र का संचार करती है।

उन्होंने कहा कि नागपंचमी का त्यौहार उन्हें बचपन की याद दिलाती है। बचपन में स्लेट पट्टी पर नागदेवता का चित्र बनाते थे। अगरबत्ती और गुलाल भी चढ़ाते थे। यह एक सुखद अनुभव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नागपंचमी के अवसर पर पहले गांव-गांव में मलखम्ब, मल्लयुद्ध कबड्डी, कुश्ती आदि का आयोजन होते थे। पहलवान बड़ी संख्या में हिस्सा लेते थे। आज के दौर में ऐसे अवसर पर कुश्ती का आयोजन सराहनीय है। राज्य सरकार खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन के लिए छत्तीसगढ़िया ओलंपिक का आयोजन कर रही है। बड़ी संख्या में बच्चे और बुजुर्ग हिस्सा ले रहे हैं। राज्य सरकार हर संभव खेल और खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए तत्पर है। इस मौके पर संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने भी सम्बोधित किया।

गौरतलब है कि कुश्ती प्रतियोगिता में दांवपेंच महत्वपूर्ण होता है। कुश्ती खिलाड़ी सूझ-बूझ और चतुराई से दांवपेच का उपयोग कर कुश्ती के तकातवर धुरंधर को भी चित्त कर देते हैं। कुश्ती में धोबीपछाड़, धाक, बैकसातो सहित टांगा, कलाजंक, फित्तले, भारनद्वज, लेंसन और झोली जैसे दांवपेंचों से कुश्ती का रोमांचक खेल एक अलग अनुभव कराती है। कुश्ती प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विजेताओं में प्रथम पुरस्कार रामकुण्ड अखाड़ा, रायपुर को प्राप्त हुआ, द्वितीय पुरस्कार खेल विभाग को और तृतीय पुरस्कार दंतेश्वरी अखाड़ा पुरानी बस्ती, रायपुर को मिला। इस अवसर पर एमआईसी मेम्बर सुन्दर जोगी, अखाड़ा समिति के अध्यक्ष तोरन लाल साहू, उपाध्यक्ष रामखिलावन साहू, दीनानाथ शर्मा सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी और कुश्ती खिलाड़ी और दर्शक उपस्थित थे।

# शिक्षाविद् व लेखक समाज में ला सकते हैं क्रांतिः राज्यपाल

श्रीकंचपनथ न्यूज

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन गत दिवस एमबीसी टीवी द्वारा भुवनेश्वर में आयोजित शिक्षा सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होते हुए कहा कि शिक्षा समाज और देश को समृद्ध और प्रगतिशील बनाती है। जब शिक्षा मजबूत होती है तो समाज विकास की दिशा में आगे बढ़ता है और मजबूत होता है। हर व्यक्ति को अपनी शिक्षा के लिए, अपने समाज के लिए, अपने अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए। यह सीख अपनी माटी और मां के लिए लड़ने की प्रेरणा देती है। इस क्षेत्र में शिक्षाविदों एवं लेखकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। जब वे समाज में गिरावट या मानव अधिकारों का उल्लंघन देखते थे, तो वे अपने लेखन के माध्यम से क्रांति पैदा कर सकते थे।

शिक्षा केवल वह नहीं है जो हमें पाठ्यपुस्तकों से मिलती है बल्कि हम अपने अनुभवों से, जीवन से, समाज से, खुद से, दूसरों से आदि से सीखते हैं। महात्मा गांधी ने शिक्षा की तुलना जीवन से की और कहा, 'जीवन में ऐसा कुछ भी नहीं है, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो, जो शिक्षा की चिंता को व्यक्त नहीं कर सकता'।

शिक्षा जन्म से शुरू होती है और जीवन भर चलती रहती है। शिक्षा प्राप्त करने के लिए मनुष्य दूसरों पर निर्भर रहता है। यह प्रकृति, इतिहास, ऋषि-मुनि, संत, पर्यावरणीय परिस्थितियाँ हो सकती हैं। जिस देश की शिक्षा व्यवस्था जितनी मजबूत होती है, वह देश उतना ही मजबूत और विकसित होता है।

2020 में भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने नई शिक्षा नीति 2020 पेश की, जो एक क्रांतिकारी कदम है। यह शिक्षा नीति देश को समृद्ध और मजबूत बनाने में मदद करेगी। नया पाठ्यक्रम भाषा, संस्कृति, देशभक्ति, ज्ञान विकास, पूछताछ और मूल्यों पर जोर देता है। राज्यपाल ने कहा कि यह शिक्षा नीति मनुष्य के सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, बहुभाषी, मानसिक, चारित्रिक आदि गुणों में सुधार करेगी।

# मंत्री मरकाम ने बड़ेबंजोड़ा एवं मोहलई में सामुदायिक भवन का किया भूमिपूजन

श्रीकंचपनथ न्यूज

**कोण्डागांव।** आदिम जाति विकास मंत्री मोहन मरकाम ने आज कोण्डागांव जिले के माकड़ी विकासखण्ड के विभिन्न ग्रामों का दौरा कर विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। उन्होंने ग्राम पंचायत बड़ेबंजोड़ा में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। माकड़ी में उन्होंने तपेश्वरी गुड़ी भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। मोहलई में आदिवासी वर्ग के सामुदायिक भवन का भूमिपूजन करने के साथ शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मोहलई में बालिकाओं को सरस्वती साइकिल योजनांतर्गत अध्ययनरत बालिकाओं को नि:शुल्क साइकिल एवं 10 हितग्राहियों को वनाधिकार पट्टे का वितरण किया। इस अवसर पर उन्होंने बालिकाओं से चर्चा कर उन्हें शुभकानाएं दी।

इसके अलावा उन्होंने कोण्डागांव विकासखण्ड के ग्राम पंचायत कारसिंग पहुंच यहां नवनिर्मित पंचायत भवन का लोकार्पण करते हुए ग्रामीणों को शासन की योजनाओं के संबंध में जानकारी दी। शासन की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को बताते हुए उन्हें योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष भगवती पटेल, विधायक प्रतिनिधि कैलाश पोयाम, दशरथ पोयाम सहित ग्रामों के सरपंच एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

# आमजन सहित हजारों विद्यार्थी छत्तीसगढ़ सरकार की लोक कल्याणकारी योजना और छत्तीसगढ़ के पुरोधाओं से हुए रूबरू

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। 'छत्तीसगढ़ सरकार, भरोसे की सरकार' थीम पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी में राज्य सरकार के बीते पौने पांच साल में छत्तीसगढ़ के विकास की ऊंचाइयों और देश की आजादी में अपना अमूल्य योगदान देने वाले छत्तीसगढ़ के पुरखों के परिचय और उनके कठिन संघर्ष, त्याग और बलिदान को फोटो के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

राजधानी रायपुर के शास्त्री चौक स्थित टाउन हॉल में जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित इस सात दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी में आमजन सहित हजारों की संख्या में स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी छत्तीसगढ़ की सरकार की लोक-कल्याणकारी योजनाओं और छत्तीसगढ़ के पुरोधाओं से रूबरू हुए। आजादी की 76वीं वर्षगांठ के अवसर पर 15 अगस्त से 21 अगस्त तक आयोजित इस प्रदर्शनी का आज समापन हुआ। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने विगत 15 अगस्त को छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ किया था।

प्रदर्शनी में आने वाले दर्शकों को राज्य की समस्त लोक कल्याणकारी योजनाओं को डॉक्यूमेंट्री फिल्मों के माध्यम से एलईडी स्क्रीन में दिखाया गया। इस प्रदर्शनी को हजारों की संख्या में आम नागरिक, महाविद्यालय के विद्यार्थियों और स्कूली बच्चों ने अवलोकन कर सराहना की। प्रदर्शनी में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों सहित आमजनों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से इतिहास, संस्कृति, अंग्रेजी, कृषि समेत छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध स्थलों और छत्तीसगढ़ से जुड़ी सामान्य ज्ञान और अन्य महत्वपूर्ण विषय संबंधित प्रश्न पूछे गए और सही जवाब देने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

गौरतलब है कि इस प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ में स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख केंद्र, छत्तीसगढ़ के वीर सपूतों और राज्य सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजना सुराजी गांव योजना, नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी, राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, मुख्यमंत्री हाट बाजार योजना, छत्तीसगढ़ मिलेट मिशन, महिला सशक्तिकरण, बेरोजगारी भत्ता योजना, राजीव युवा मितान क्लब सहित विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

प्रदर्शनी में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पुरैना की छात्रा सुश्री बिंदिया साहू, सुश्री तान्या साहू, सुश्री दीपिका सोनकेवरे, सुश्री भावना यादव, ललित यादव, सुश्री किरण साहू, काजल साहू और लक्ष्मी साहू ने अपने शिक्षक राजेन्द्र कुमार साहू के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन किया और मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। उन्होंने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक वेशभूषा में राज 'गीत अरपा पैरी के धार...' की शानदार प्रस्तुति दी और उनकी पंथी नृत्य के साथ-साथ सुआ नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति से उपस्थित लोगों को थिरकने पर मजबूर कर दिया।

# महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेड़िया ने दो करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचपनथ न्यूज

**रायपुर।** महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री अनिला भेड़िया ने बालोद जिले के डौण्डी विकासखण्ड के नगर पालिका परिषद दल्लीराजहरा में 02 करोड़ 3 लाख 54 हजार रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया तथा नागरिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मंत्री श्रीमती भेड़िया ग्राम खलारी में आयोजित विकासखंड स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल के शुभारंभ कार्यक्रम में भी शामिल हुई।

उन्होंने 0-18 वर्ष के बालक एवं बालिका वर्ग के 100 मीटर दौड़ का शुभारंभ किया। उन्होंने जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दल्लीराजहरा में आयोजित कार्यक्रम में राजीव गांधी किसान न्याय योजना के हितग्राहियों को द्वितीय किस्त की राशि अंतरित होने पर बधाई दी तथा किसानों को शॉल व श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्री अनिला भेंड़िया ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में छत्तीसगढ़ राज्य ने सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल कर विकास की नई कीर्ति हासिल की है। उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कुशल नेतृत्व में पिछले साढ़े चार वर्षों में हुए विकास कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की। इस अवसर पर उन्होनें राज्य सरकार द्वारा संचालित की जा रही राजीव गांधी किसान न्याय योजना, भूमिहीन किसान मजदूर न्याय योजना, बेरोजगारी भत्ता योजना, गोधन न्याय योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अलावा छत्तीसगढ़िया ओलंपिक, राजीव युवा मितान क्लब के महत्व एवं उद्देश्यों के संबंध में प्रकाश डालते हुए, इसे राज्य के विकास के लिये मिल का पत्थर बताया। उन्होनें कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार जहां एक ओर छत्तीसगढ़ की संस्कृति रीति-रिवाज, खान-पान, परंपरा आदि का संरक्षण व संवर्धन करने का कार्य कर रही है, वहीं दूसरी ओर गरीब बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों एवं ग्रामीण औद्योगिक पार्क की स्थापना, 65 प्रकार के लघु वनोपज की खरीदी जैसे अनेक अभिनव कार्यों की शुरूआत की है।

इस दौरान नगर पालिका परिषद दल्लीराजहरा के अध्यक्ष श्री सिब्बू नायर, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती करिश्मा सलामे, जनपद पंचायत डौंडी की अध्यक्ष श्रीमती बसंती दुग्गा, जनपद पंचायत डौंडी के उपाध्यक्ष पुनीत सेन, जनपद सदस्य डौंडी यशराम राणा सहित पीयूष सोनी एवं जन प्रतिनिधिगण और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

### स्वीप कार्यक्रम : जिले में मतदाताओं को किया जा रहा जागरूक

**महासमुंद।** महासमुंद ज़िले में आगामी विधानसभा आम निर्वाचन 2023 को ध्यान में रखते हुए सुव्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं निर्वाचक सहभागिता कार्यक्रम, (स्वीप) चलाया जा रहा है। यह मतदाता शिक्षा, मतदाता जागरूकता का प्रचार-प्रसार करने एवं मतदाता की जानकारी बढ़ाने के लिए एक प्रमुख कार्यक्रम है। स्वीप गतिविधियां संचालित कर शत प्रतिशत मतदान हो यह सुनिश्चित किया जा रहा है। ज़िले के नवाडीह खुर्द में खेतों की निदाई करने वाले मतदाताओं को शत प्रतिशत मतदान हेतु नोडल अधिकारी श्रीमती बद्रिका ध्रुव के द्वारा प्रेरित किया गया एवं मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की जानकारी दी। उन्हें मतदान की शपथ दिलायी गयी और शत् - प्रतिशत मतदाताओं को मतदान करने प्रेरित किया गया। मतदाता जागरूकता शपथ एवं धनेश्वर जिनकी उम्र 20 वर्ष हो गयी है।


Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

## खास-खबर

### रायपुर पुलिस का विशेष अभियान पुलिस की गिरफ्त में आए 132 फरार वारंटी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में बढ़ते अपराध और चुनाव को देखते हुए रायपुर पुलिस अपराधियों और वारंटियों के खिलाफ विशेष अभियान चला रही है। अब रायपुर शहर में बदमाशों की खैर नहीं। क्योंकि शहर के स्थाई, गिरफ्तारी और वारंटियों के खिलाफ पुलिस कड़ी कार्रवाई कर रही है। इस अभियान में रायपुर पुलिस अलग-अलग थानों के प्रभारियों, अधिकारियों और कर्मचारी शामिल रहे। अलग-अलग थानों के 76 कई गंभीर अपराधों के स्थायी वारंट और 56 गिरफ्तारी वारंटों की तामिल की गई। इस दौरान 132 स्थायी, गिरफ्तारी वारंटों के आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये अभियान लगातार जारी रहेगा।

रायपुर एसएसपी प्रशांत अग्रवाल ने पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों को स्थायी गिरफ्तारी वारंटो की जांच पड़ताल करने के निर्देश दिए। इस दौरान बीते दिनों रविवार को सभी पुलिस अधिकारी और थाना प्रभारियों थाना आरक्षक के साथ अपने-अपने थाना क्षेत्रों में स्थायी गिरफ्तारी वारंटियों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। इस दौरान अलग-अलग थानों के 76 कई गंभीर अपराधों के स्थायी वारंट और 56 गिरफ्तारी वारंट इस प्रकार कुल 132 स्थायी गिरफ्तारी वारंटों की जांच पड़ताल कर गिरफ्तार किया गया है। इसके बाद आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है।

### शराब भट्टी में सेंधमारी कर चोरों ने पार किए लाखों रुपए, तलाश में जुटी पुलिस

**बिलासपुर।** जिले के मंगला स्थित शराब भट्टी में सेंधमारी कर लाखों रूपये को अज्ञात चोरों ने पार कर दिया मामले में जुर्म दर्ज कर पुलिस अज्ञात चोरों की तलाश में जुट गई है। दरअसल उस्लापुर साईनगर मे किराये से रहने वाले ताराचंद साहू ने सिविल लाइन थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराया की वह देशी मदिरा दुकान मंगला में सुपरवाईजर के पद पर काम करता है। 20 अगस्त की रात के समय 10 बजे के आसपास दुकान बंद कर वहां ताला लगाकर गार्ड प्रदीप केवट और दीपक जांगडे को गार्ड रखकर घर चला गया था।

21 अगस्त को सुबह 9 बजे सेल्समेन हसतराम यादव दुकान खोला तो देखा दुकान का दीवाल टूटा हुआ था। इसकी जानकारी ताराचंद को दी गई। इस पर जब वह शराब दुकान मंगला पहुंचा तो देखा की दुकान का दीवाल टूटा हुआ था और लाकर में रखी रकम नहीं थी। जिसे कोई अज्ञात चोर के द्वारा रात में दीवाल तोडकर चोरी कर ले गया। पूरे मामले मे सिविल लाइन पुलिस जुर्म दर्ज कर जांच पड़ताल में जुट गई है।

### डीजीपी अशोक जुनेजा ने किया 2 दिवसीय गूगल और पेटीएम साइबर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ, बोले-

# साइबर अपराधों से निपटने के लिए पुलिस को और सतर्क होने की जरूरत

श्रीकंचनपथ न्यूज

**रायपुर।** पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा के मुख्य आतिथ्य में सोमवार को पुलिस मुख्यालय नवा-रायपुर में 2 दिवसीय गूगल और पेटीएम साइबर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। पुलिस मुख्यालय और वित्तीय कारोबार संचालित करने वाली गूगल एवं पेटीएम के प्रशिक्षित अधिकारियों की टीम ने सभी जिलों के साइबर नोडल पुलिस अधिकारी व जिला साईबर सेल के प्रभारी पुलिस अफसरों, रेंज स्तर पर पदस्थ अफसरों व कर्मचारियों को साईबर ठगी की रोकथाम और त्वरित कार्यवाही के लिए पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा।

पुलिस महानिदेशक जुनेजा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य के सभी जिलों से आये साइबर नोडल पुलिस अधिकारी एवं जिला साईबर सेल के प्रभारी पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि साईबर अपराध ठगी और ब्लेकमेलिंग जैसी अपराधों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधिकारियों को और अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आईटी एक्ट के अलावा डॉटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 भी लागू हो गया है। इसमें साइबर ठगी के बढ़ते मामलों से निपटने और अपराधियों को पकड़ने तथा न्यायालय से दण्डित कराने के प्रावधान किये गये हैं, इन प्रावधानों से साईबर अपराधियों को दण्ड दिलाने में मदद मिलेगी।

#### प्रार्थी की शिकायत का होना चाहिए त्वरित समाधान

अशोक जुनेजा ने सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि साइबर ठगी के मामलों में अपडेट जानकारी हार्ड एवं साफ्ट कॉपी दोनों उपलब्ध होनी चाहिए जिससे प्रार्थी या शिकायतकर्ता के शिकायत का समाधान यथाशीघ्र किया जा सके। उन्होंने साइबर अपराधियों द्वारा अन्य राज्यों में बैठकर किये जाने वालों अपराधों पर अंकुश एवं अपराधियों को पकड़ने के लिए अन्य राज्यों के पुलिस अधिकारियों से समन्वय बनाकर शीघ्रतापूर्वक कार्य करना चाहिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में गूगल और पेटीएम के प्रशिक्षित अधिकारियों की टीम द्वारा ला इन्फोर्समेंट रिक्वेस्ट सिस्टम पोर्टल, फ्राड, इमरजेंसी रिक्वेस्ट, फ्राड ट्रेंड, बिजनेस, ट्रान्जेक्शन, मानिटरिंग संबंधी विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। अपरान्ह में पेटीएम की टीम द्वारा ऑनलाईन बैंकिंग की कार्यप्रणाली एवं पेटीएम द्वारा साइबर क्राईम को रोकने की दिशा में उठाये गये कदम के बारे में विस्तार से बताया गया। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक साईबर क्राईम कवि गुप्ता ने किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसआरपी कल्लूरी, हिमांशु गुप्ता सहित पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

#### पुलिस को आधुनिकतम रूप से प्रशिक्षित होना बहुत आवश्यक

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक प्रदीप गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि अपराधी को पकड़ना साक्ष्य एकत्रित करना एवं अपराधी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर उसे दण्ड दिलाना पुलिस के लिए बहुत बढ़ी चुनौती है, इसलिए पुलिस को आधुनिकतम रूप से प्रशिक्षित होना बहुत आवश्यक है। उन्होंने आशा व्यक्त किया कि गूगल और पेटीएम जैसे वित्तीय कार्य संपादित करने वाली संस्थाओं के अधिकारियों द्वारा दिया जाने वाला प्रशिक्षण पुलिस अधिकारियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

# मालिक को नौकर ने लगाया चूना: गाय खरीदने गया, 3.30 लाख लेकर फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र में गौशाला में काम करने वाले नौकर ने अपने मालिक को लाखों का चूना लगाया। करीब तीन सप्ताह पहले गाय खरीदने के लिए धमतरी गया नौकर वापस नहीं लौटा। गोशाला के मालिक ने उसे गाय खरीदने के लिए 3 लाख 30 हजार रुपए दिए थे। रुपए लेकर गोशाला का नौकर फरार हो गया। यहां तक की गोशाला में ठहरा उसका परिवार भी गायब हो गया। मालिक ने संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन उसका कुछ भी पता नहीं चला। 21 अगस्त को गोशाला के मालिक ने कुम्हारी थाने पहुंचकर अपने नौकर के खिलाफअपराध दर्ज कराया है। इस मामले में कुम्हारी पुलिस ने गोशाला के नौकर के खिलाफधारा 407 के तहत अपराध दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है।

#### गोशाला के मालिक की शिकायत पर कुम्हारी पुलिस ने दर्ज किया केस

#### 3 लाख 30 हजार रुपए देकर भेजा

नागेन्द्र की बात में आकर हरगोविंद ने गाय खरीदने के लिए उसे 3 लाख 30 हजार रुपए देकर भेजा। 2 अगस्त को वह धमतरी के लिए रवाना हुआ। इसके बाद उससे कोई संपर्क नहीं हुआ। इस बीच गोशाला में रहने वाली नागेन्द्र की पत्नी अपने बच्चों को लेकर चली गई। इधर हरगोविंद लगातार नागेन्द्र की पतासाजी कर रहा था। लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। उसका मोबाइल फोन भी बंद था। थक हारकर हरगोविंद ने कुम्हारी थाने पहुंचकर अपने नौकर नागेन्द्र के खिलाफशिकायत दर्ज कराई।

#### चार माह पहले आया था काम मांगने

अपनी शिकायत के दौरान हरगोविंद ने पुलिस को बताया कि नागेन्द्र पहले ताहिर खान के खटाल में काम करता था। 22 मार्च को वह अपने परिवार के साथ हरगोविंद के सुरभी गोशाला में काम मांगने पहुंचा था। काम का अनुभव देखते हुए हरगोविंद ने उसे काम पर रख लिया। वह अपनी पत्नी के साथ गोशाला में रहकर काम कर रहा था। हरगोविंद ने आने जाने के लिए उसे एक मोटर साइकिल भी दे रखी थी। एक बार नागेन्द्र गाय खरीदने के लिए हरगोविंद को धमतरी ले गया था लेकिन पसंद की गाय नहीं मिली। 2 अगस्त को जब नागेन्द्र से बताया कि अच्छी गाय बिक्री के लिए पहुंची है तो उस पर विश्वास कर उसे रुपए देकर भेज दिया। हरगोविंद की शिकायत पर कुम्हारी पुलिस ने नागेन्द्र के खिलाफअपराध दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार केडिया कंपनी में सुपरवाइजर की नौकरी करने वाला हरिगोविंद गोस्वामी एक गोशाल चलाता है। कुम्हारी में डीएमसी गेट के सामने उसकी गौशाला है। इसकी गोशाला में नागेंद्र साहू उर्फ संतोष उर्फ देवा काम करता है। वह अपने पूरे परिवार के साथ गोशाला का काम देखता है। हरगोविंद को भी अपने नौकर पर भरोसा हो गया। 2 अगस्त को नागेन्द्र ने हरगोविंद को बताया कि धमतरी में अच्छी नस्ल की गाय आई है जिसे लेने से अच्छा फायदा हो सकता है। इसके हरगोविंद गाय खरीदने के लिए तैयार हो गया।

## जवानों ने किया पाइप बम निष्क्रिय नारायणपुर में एक नक्सली ढेर

श्रीकंचनपथ न्यूज

**बीजापुर/नारायणपुर।** छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के बीजापुर व नारायण पुर जिलों में अलग अलग घटनाओं में नक्सिलों को बड़ी सफलता मिली है। बीजापुर के गंगालूर मार्ग पर किकलेर पहाड़ी के पास नक्सलियों द्वारा प्लांट किये गये डायरेक्सनल पाइप बम बरामद कर जवानों ने उसे निष्क्रिय दिया है। वहीं नारायणपुर जिले में पुलिस व नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक नक्सली को ढेर कर दिया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सोमवार को डीआरजी, सीआरपीएफ 85 बटालियन और बीडीएस की संयुक्त टीम रोड ओपनिंग पर थी। इस दौरान गंगालूर से करीब चार किलोमीटर पहले किकलेर पहाड़ी के पास नक्सलियों द्वारा जवानों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से प्लांट किये गये 15 किलो वजनी डायरेक्सनल पाइप बम को जवानों ने बरामद किया। जिसे बीडीएस की टीम ने वही निष्क्रिय कर दिया।

इधर नारायणपुर जिले के ओरछा थाना में सोमवार सुबह लगभग 9बजे पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस को यहां पर नक्सलियों की प्लाटून नंबर 16 इन्चार्ज मलेश, कमांडर विमला, इंद्रावती एरिया कमेटी का ओरछा एलओएस कमाण्डर दीपक एवं ओरछा एलजीएस कमांडर रामलाल एसीएम व अन्य की उपस्थिति की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस पार्टी सर्चिंग के लिए निकली। इसबीच हुए मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया। मौके से एक 315 बोर रायफल तथा एक 12 बोर रायफल हथियार व नक्सली का शव बरामद कर लिया गया है।

# घर में घुसकर सो रही महिला को हाथी ने उठाकर पटका, मौत

**कोरबा।** छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में इन दिनों हाथियों का उत्पात ग्रामीणों में दहशत का कारण बना हुआ है। जिले के कटघोरा वन मंडल क्षेत्र के आसपास के गांवों में हाथियों का दल उत्पात मचा रहा है। यहां हाथी फसलों के साथ ही घरों को निशाना बना रहे हैं। इसी कड़ी में बीती रविवार की आधी रात हाथियों ने एक घर में घुसकर महिला को मौत के घाट उतार दिया।

मिली जानकारी अनुसार रविवार की रात लगभग 12:00 बजे हाथियों का दल कटघोरा वन मंडल के एकम नगर रेंज में पहुंच गया। गुरसिया सर्किल में घूमने के साथ ही मोहल्ले में जमकर उत्पात मचाया इसी दौरान हाथियों का दल एक घर में सो रही वृद्ध महिला को उठाकर पटक दिया जिससे वृद्ध महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक महिला धनबाई की उम्र लगभग 80 वर्ष बताई जा रही है घर के अन्य सदस्यों ने घर से बाहर निकल कर अपनी जान बचाई।

घटना की जानकारी वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों को दी गई जहां मौके पर तत्काल वन कर्मी मौके पर पहुंचे। हाथियों के दल को रेस्क्यू कर जंगल की ओर खदेड़ने का प्रयास किया। आपको बता दें 40 से 45 हाथियों का दल अलग-अलग इलाके में विचरण कर रहा है इसकी मॉनिटरिंग वन विभाग लगातार कर रहा है। ग्रामीणों को जंगल की ओर जाने से रोक दिया गया है।

# अवैध गुटखा फैक्ट्री पर पुलिस की रेड, पिता जेल में बंद, बेटा देख रहा था कारोबार

श्रीकंचनपथ न्यूज

**भिलाई।** नंदिनी थाना क्षेत्र के पोटिया गांव में संचालित अवैध गुटखा फैक्टरी में पुलिस ने छापेमारी की है। पुलिस ने मौके से लाखों का गुटखा और कच्चा माल समेत पैकिंग मशीन जब्त की है। जेल बंद एक तस्कर अपने बेटे से इस फैक्टरी का संचालन करवा रहा था। नंदिनी पुलिस ने गुटखा को जब्त कर आगे की कार्रवाई के लिए खाद्य विभाग को प्रकरण को सौंपा दिया है ।

नंदिनी थाना प्रभारी राजेश मिश्र ने बताया कि पोटिया गांव में घराना फूड पार्क में एक होटल का निर्माण चल रहा है। वहां पर अभी टीन शेड बना है। प्रतिबंधित गुटखा सितार ब्रांड के जर्दायुक्त गुटखा का बनाया जा रहा था। पुलिस को सूचना मिलने पर रात में छापामारी की गई। कुछ मजदूर गुटखा बनाने और उसकी पैकिंग का काम कर रहे थे। गोदाम में पुलिस एक ट्रक समेत लाखों का जर्दायुक्त गुटखा, कच्चा सामान और पैकिंग मशीन बरामद की है।

यह गुटखा फैक्टरी दुर्ग निवासी गुरुमुख जुमाननी की बतायी जार ही है। वह वर्तमान में जेल में बंद है और इस गुटखा का कारोबार उसका बेटा का रहा था। गुरुमुख जुमानानी जेल से ही अपने बेटे को फैक्टरी संचालन के निर्देश देता था। फिलहाल पुलिस ने फैक्टरी को सील कर दिया था।

### कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ यांत्रिकी खंड, राजेन्द्र पार्क चौक दुर्ग (छ.ग.)

दूरभाष क्र. 0788-2323633 E-mail:eedurg-phe-cg@nic.in

// निविदा निरस्तीकरण सूचना //

इस कार्यालय की निविदा सूचना क्रमांक 12/तशा/ का.अ./ लो. स्वा. यां.खंड / दुर्ग, दिनांक 03.07.2023 अंतर्गत ए.डी.बी. परियोजना अंतर्गत ग्राम ठेलकाडीह-दुर्ग मार्ग में आने वाले दुर्ग जिले के ग्राम नगपुरा के पाईप लाईन को विस्थापित कर नवीन पी.व्ही.सी. स्पेशल्स सहित जोड़ने, बिछाने इत्यादि कार्य हेतु आमंत्रित निविदा को प्रतिभागी फर्म के अपात्र होने के कारण निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड
दुर्ग ( छ.ग. )

जी-04441/5

### कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग, दुर्ग

// मैनुअल पद्धति निविदा सूचना //

ज्ञाप कमांक – 9718 /व.ले.लि./लेखा खण्ड/2022-23 दुर्ग, दिनांक 18/08/2023

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी **(अ से द)** में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, लो.नि.वि. रायपुर द्वारा जारी भवन/सड़क SOR दिनांक 01.01.2015 तथा निविदा तिथि तक जारी संशोधन के अंतर्गत मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

| | | |
|---|---|---|
| निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि | :- | 01/09/2023 अपरान्ह 5.30 बजे तक |
| निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि | :- | 04/09/2023 अपरान्ह 5.30 बजे तक |
| ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि | :- | 11/09/2023 अपरान्ह 5.30 बजे तक |
| निविदा खोलने की तिथि | :- | 12/09/2023 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक |

| एनआईटी क्र. निविदा क्र. | कार्य का नाम/ NoOfCalls | कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में) |
|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 |
| T0147 | Landscape work of Development Area & Gardening Work in Rest House Campus Jamgaon (M) Under P.W.D. Sub Division Patan (1st Call) | 19.98 |
| T0148 | Landscape work of Sub Division Office Campus Distt. Durg (1st Call) | 19.99 |
| T0149 | Landscape work of Different Residential & Non Residential Building at Under P.W.D. Sub Division No. 1 Durg (1st Call) | 20.00 |
| T0150 | Plantetion Work in Divider of Minimata Chowk to anjora Bypass Approach Road km. = 6 (1st Call) | 19.83 |

☐ General Condition ☐ Plant Condition ☑ Special Condition

नोट :- निविदा संबंधी निम्न शर्ते आवश्यक होगी।

1. इंदिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय रायपुर द्वारा 5 वर्षों का पौधों का गुणवत्ता प्रमाण-पत्र/ फल-फूल एवं उद्यानिकी पौधों का गुणवत्ता प्रमाण-पत्र।
2. पूर्व में किये गये दो कार्यों का ए-4 साईज में 10 फोटो कार्यपालन अभियंता और छत्तीसगढ़ उपसंचालक उद्यानिकी विभाग से गार्डन कार्य का प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करना होगा।
3. छत्तीसगढ़ उद्यानिकी विभाग जिला कार्यालय से गार्डन कार्य का 15 वर्षों का अनुभव प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।
4. नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा प्राप्त गोमास्ता लायसेंस की प्रति संलग्न किया जावें, नर्सरी कार्य दर्ज होना अनिवार्य एवं स्वयं की नर्सरी अनुविभागीय अधिकारी से सत्यापन प्रमाण पत्र आवेदन के साथ प्रस्तुत किया जावें।
5. अन्य निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है एवं अन्य निविदा संबंधी शर्तें संभाग कार्यालय में अवलोकन किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग दुर्ग, संभाग दुर्ग

जी-04445/4

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026,
8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

# नोनी सुरक्षा योजना

## बीपीएल परिवार में प्रथम दो बेटियों के जन्म पर 1 लाख रूपए और बीमा योजना का लाभ

## योजना प्रारंभ होने के बाद से

## 84 हजार 594

## बेटियों का पंजीयन

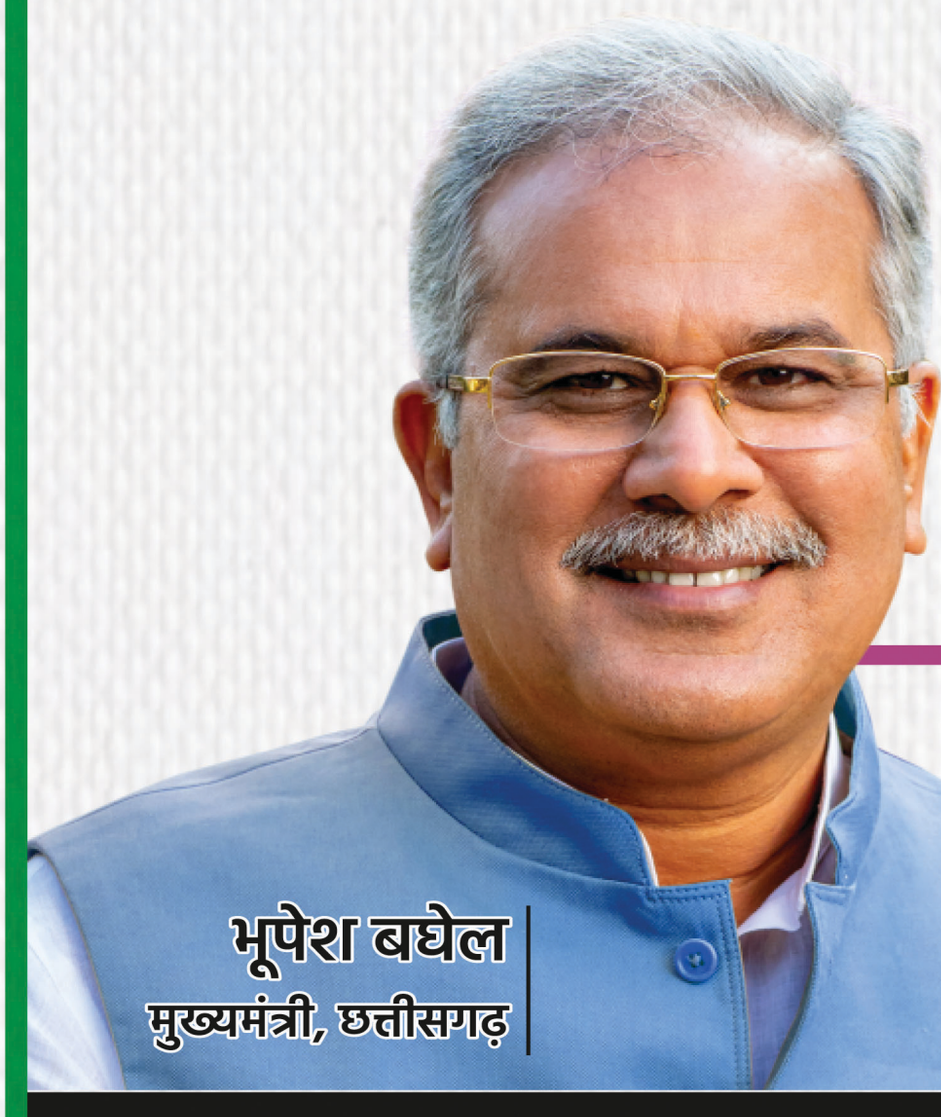

## 122.64 करोड़ रुपए

## कॉरपस फंड में विनियोजित

अधिक जानकारी महिला एवं बाल विकास विभाग की वेबसाइट www.cgwcd.gov.in पर उपलब्ध

भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ सरकार
भरोसे की सरकार

गढ़बो नवा छत्तीसगढ़

RO- 38116/1

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर ( छ.ग. ) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग ( छ.ग. ) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950